डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

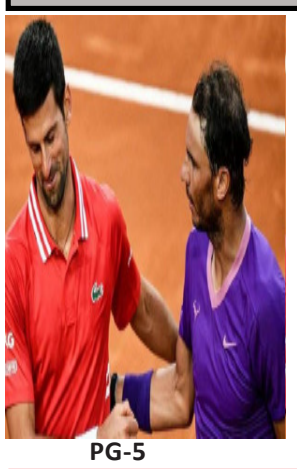

आधुनिक समाचार

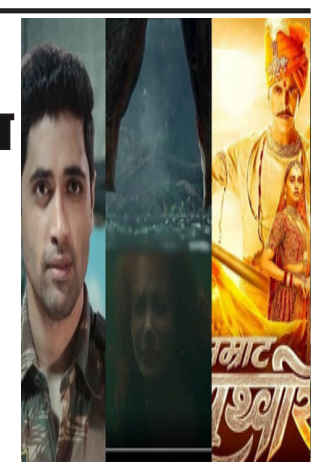

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमा: अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रहीं ये बड़ी फिल्में

वर्ष -08 अंक -80 | प्रयागराज, बुधवार 01 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कंक्रीट के जंगल में बदलते हमारे शहर, हरियाली का घटता दायरा और बढ़ता शहरीकरण

नई दिल्ली। तापमान में पहले के मुकाबले तेजी से बदलाव आ रहा है, जिसका खामियाजा सभी को भुगतना पड़ रहा है। हाल ही में एक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है कि गंगा के मैदानी क्षेत्र में बसे पांच प्रमुख राज्यों के 38 प्रतिशत जलाशयों में जलस्तर काफी कम हो गया है। विज्ञानियों का कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, उससे जुड़े जोखिम अब सामने आने लगे हैं। इस वर्ष मार्च में ही गर्मी ने सारे रिकार्ड तोड़ डाले, वहीं अप्रैल में तो उत्तर पश्चिम तथा मध्य भारत में औसत अधिकतम तापमान विगत 122 वर्षों में सर्वाधिक रहा। तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में लू, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। वैसे तो भारत में गर्मी का प्रकोप पिछली सदी के नौवें दशक से ही तेजी से बढ़ा है, लेकिन अमेरिकी संस्था 'बर्कले अर्थ' के मुताबिक 1851-1900 की तुलना में 1980 तक केवल 0.4 डिग्री तापमान बढ़ा था, लेकिन उसके बाद से यह अंतर आधे समय में ही 0.6 डिग्री बढ़ गया है अर्थात भारत 2020 तक एक डिग्री ज्यादा गर्म हो गया है, जिसके लिए ग्लोबल वार्मिंग को जिम्मेदार माना जा रहा है। अत्यधिक गर्मी और लू के कारण हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मौतें हो जाती हैं। वहीं दूसरी ओर खेती के लिए भी यह स्थिति नुकसानदेह है। साथ ही इस कारण ऊर्जा तथा जल स्रोतों पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भारत में गेहूं की पैदावार में लगभग 4.4 प्रतिशत गिरावट का अनुमान है जिसका प्रमुख कारण मौसम, तापमान और प्रदूषण को माना जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) ने इस संबंध में चिंता जताते हुए कहा है कि लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। बढ़ते तापमान का अर्थ हीटवेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्री जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान पर भड़की मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले को लेकर पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी पर चौतरफा हमले हो रहे हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने पंजाबी गायक की हत्या को राज्य के कुशासन का 'प्रतीक' बताया है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने यह भी आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के सत्ता में आने के बाद से पंजाबी गायक की हत्या राज्य की 90 वीं घटना है। मीनाक्षी लेखी ने एएनआइ से बातचीत में कहा कि राज्य में यह पहली हत्या नहीं है, यह 90 वीं हत्या है। क्योंकि जब से पंजाब में आप सरकार सत्ता में आई है। अपराध लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या राज्य में चल रहे कुशासन का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने सीएम पर निशाना साधते हुए कहा स्टैंड अप कामेडियन होना एक बात है और कानून व्यवस्था को संभालना दूसरी चीज है। जल्द न्याय मिलना चाहिए। इस बीच, सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए आप सरकार को जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराते हुए पंजाब भाजपा प्रमुख अश्विनी कुमार शर्मा ने सोमवार को राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात की थी। उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार को बर्खास्त करने की मांग की थी। अश्विनी कुमार शर्मा के मुताबिक पंजाब सरकार ने मूसेवाला की सुरक्षा घटाकर सार्वजनिक तौर पर घोषित किया। जिससे हत्यारे को जुर्म करने का मौका मिल गया। उन्होंने एक स्वतंत्र राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच की भी मांग की। पंजाब भाजपा प्रमुख ने 424 लोगों की सुरक्षा हटाने और सूची को सार्वजनिक करने के सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ गई। उन्होंने आगे कहा इस सरकार ने 424 लोगों की सुरक्षा कम कर दी और उनकी सुरक्षा को खतरे में डालकर सूची को सार्वजनिक कर दिया, वो भी सिर्फ तालियों के लिए ऐसे दस्तावेज गोपनीय हैं। इस नियम को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। बता दें कि मानसा जिले के जवाहरके गांव में अज्ञात हमलावरों ने सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पंजाब पुलिस द्वारा मूसेवाला सहित 424 लोगों की सुरक्षा वापस लेने के एक दिन बाद यह भीषण घटना हुई। एसटीएफ सूत्रों ने कहा कि पंजाब पुलिस ने सोमवार को देहरादून के पेलियन पुलिस चौकी इलाके से मूसेवाला की हत्या के सिलसिले में छह लोगों को हिरासत में लिया है। उत्तराखंड एसटीएफ और पंजाब एसटीएफ ने देहरादून पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में छह लोगों को हिरासत में लिया है। जिन्होंने शिमला बाईपास नया गांव चौकी की घेराबंदी कर सिद्धू मूसे वाला की हत्या में कथित तौर पर हमलावरों को सहायता प्रदान की थी।

सुप्रीम कोर्ट से अनिल देशमुख को राहत

नई दिल्ली। मनी लांड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अनिल देशमुख बाम्बे हाईकोर्ट में जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए अर्जी दाखिल कर सकते हैं। जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बीवी नागरतन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा, 'उम्मीद और विश्वास है कि उच्च न्यायालय इस मामले पर तेजी से सुनवाई करेगा।' देशमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि याचिकाकर्ता की उम्र 73 साल है। याचिकाकर्ता मार्च में दायर की गई लंबित जमानत याचिका को लेकर हाईकोर्ट में जल्द सुनवाई का अनुरोध करता है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'याचिकाकर्ता अपनी जमानत अर्जी को जल्द से जल्द सूचीबद्ध करने के लिए आवेदन दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं।' शीर्ष अदालत ने माना कि जमानत याचिका को तीन मौकों पर उच्च न्यायालय के सामने सूचीबद्ध किया गया था। ऐसा लगता है कि समय की कमी के कारण मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। पीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से कहा, 'यह अदालत उच्च न्यायालय के लिए कोई तारीख तय नहीं कर सकती है। बता दें कि देशमुख को ईडी की टीम ने बीते साल नवंबर में गिरफ्तार किया था। देशमुख अभी न्यायिक हिरासत में हैं। हाईकोर्ट ने 8 अप्रैल को देशमुख की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी थी। साथ ही खराब स्वास्थ्य का हवाला देने के बावजूद जमानत याचिकाओं की तत्काल सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया था। तब, हाईकोर्ट ने कहा था कि चिकित्सा आधार पर तत्काल सुनवाई की मांग एक समस्या बन गई है। उधर, ईडी ने अपने हलफनामे में देशमुख की जमानत याचिका का विरोध किया है। ईडी ने आरोप लगाया कि देशमुख ने गृह मंत्री के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था। आरोप है कि राज्य के गृह मंत्री रहते हुए देशमुख ने तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाझे (जो पिछले साल एंटीलिया बम मामले में गिरफ्तारी के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था) के माध्यम से मुंबई में विभिन्न बारों व रेस्तरां से 4.70 करोड़ रुपये एकत्र किए।

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 2338 नए मामले, 19 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामलों (ण्दन् 19 णै ग्ह घ्र्ी) को लेकर रिपोर्ट जारी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,338 नए मामले सामने आए हैं। बता दें कि ये लगातार सातवां दिन है जब कोविड के लगातार दो हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान कोरोना के 2,134 लोग डिस्चार्ज भी हुए हैं। वहीं, बीते 24 घंटे में 19 लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना के सक्रिय मामले अब 17,883 हो गए हैं। देश में अब तक कोरोना के कुल 4 करोड़ 31 लाख 58 हजार 87 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा कुल 4 करोड़ 26 लाख 15 हजार 574 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा कोरोना से 5 लाख 24 हजार 630 लोगों की मौत भी हो चुकी है। एक्टिव मामले 0.04 फीसद मंत्रालय के मुताबिक, कोरोना के कुल मामलों के मुकाबले एक्टिव मामले 0.04 फीसद है। जबकि राष्ट्रीय कोविड रिकवरी रेट 98.74 हो गई है। डेली पाजिटिविटी दर 0.64 हो गई है। वहीं, साप्ताहिक पाजिटिविटी दर अब 0.61 फीसद है।रिपोर्ट के मुताबिक, देश में महाराष्ट्र राज्य में कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। महाराष्ट्र में 1 लाख 47 हजार 859, केरल में 69 हजार 740, कर्नाटक में 40 हजार 106, तमिलनाडु में 38,025, दिल्ली में 26,209 और यूपी में 23,519 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि 70 प्रतिशत से अधिक मौतें गंभीर रोगों के कारण हुई हैं। मंत्रालय ने कहा कि हमारे आंकड़ों का भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलान किया जा रहा है। देश में टीकाकरण का आंकड़ा 193 करोड़ के पार हो गया है। टीके की 193.37 करोड़ से ज्यादा खुराक लगाई जा चुकी हैं। 101 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज जबकि लगभग 89 करोड़ दूसरी खुराक दी जा चुकी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर सड़कों पर उतरी भाजपा, DMK को दिलाई घोषणापत्र के वादों की याद

चेन्नई। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. अननमलाई के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने चेनन्ई में सचिवालय की ओर मार्च किया। अननमलाई ने राज्य सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर कर कम नहीं करने की निंदा की। उन्होंने कहा कि द्रमुव ने अपने घोषणापत्र में वादा किया था कि वे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 5 रुपये और 4 रुपये की कमी करेंगे। पीएम मोदी ने दो बार ईंधन की कीमतों में कमी की है। हम राज्य सरकार से मांग करते हैं कि वह अपने घोषणा पत्र में जो वादा किया है उसे पूरा करे।

मुख्तार अब्बास नकवी -आरसीपी सिंह को नहीं मिला टिकट

नई दिल्ली। मोदी सरकार के मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को राज्यसभा का टिकट नहीं मिला। नकवी का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। ऐसे में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ सकता है। वहीं जेडीयू कोटे से केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का भी कार्यकाल खत्म हो रहा है और उनको भी दोबारा टिकट नहीं मिला। भाजपा ने अपने दो मंत्रियों निर्मला सीतारमण और पीयूष गोयल को दोबारा से राज्यसभा भेजने का फैसला किया है तो मुख्तार अब्बास नकवी को रिपीट नहीं किया गया है। वहीं, जेडीयू कोटे से मोदी सरकार में मंत्री आरसीपी सिंह की जगह खीरू महतो को प्रत्याशी बनाया गया है। मुख्तार अब्बास नकवी और आरसीपी सिंह का राज्यसभा से पत्ता कटने के बाद अब उनके सामने अपने मंत्री पद की कुर्सी को बचाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। भाजपा ने 22 राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया, जिसमें नकवी शामिल नहीं हैं। ऐसे में अगर छह महीन के अंदर आरसीपी और नकवी संसद नहीं पहुंचे तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। इस तरह मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव भी देखने को मिल सकता है। बता दें कि मोदी सरकार में मुस्लिम चेहरे के तौर पर शामिल मुख्तार अब्बास नकवी साल 2016 में झारखंड से राज्यसभा सदस्य चुने गए थे, जिनका कार्यकाल 7 जुलाई को खत्म हो रहा है। भाजपा ने झारखंड से राज्यसभा के लिए इस बार नकवी की जगह आदित्य साहू को उम्मीदवार बनाया है। झारखंड से पत्ता कटने के बाद माना जा रहा था कि नकवी को किसी दूसरे राज्य से भाजपा प्रत्याशी बना सकती है, लेकिन सोमवार को लिस्ट आने के बाद उस पर भी विराम लग गया। मुख्तार अब्बास नकवी की तरह जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मोदी सरकार में केंद्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह के लिए भी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। जेडीयू ने आरसीपी सिंह की जगह इस बार झारखंड के पार्टी नेता खीरू महतो को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में आरसीपी की मंत्री पद की कुर्सी पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। दरअसल, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 164 (4) के मुताबिक बिना किसी सदन के सदस्य रहते हुए एक मंत्री छह महीने तक अपने पद पर बना रह सकता है, लेकिन अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए उसे छह महीने के अंदर लोकसभा और राज्यसभा में किसी भी सदन का सदस्य चुना जाना जरूरी है। हालांकि, छह महीने के अंदर अगर लोकसभा या राज्यसभा में किसी भी सदन का सदस्य नहीं चुना जाता है तो मंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। हालांकि, नकवी और आरसीपी सिंह के इस्तीफों के बाद अगर प्रधानमंत्री चाहें तो उन्हें दोबारा से मंत्री पद की शपथ दिलवा सकते हैं, लेकिन यह मौका सिर्फ एक बार ही मिलता है।

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त, ऐसे चेक करें लिस्ट में अपना नाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान निधि राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी है। पीएम नरेंद्र मोदी शिमला में आयोजित 'गरीब कल्याण सम्मेलन' कार्यक्रम के दौरान किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि ट्रांसफर की है। वहीं, धनराशि ट्रांसफर करने के साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थी किसानों से बातचीत भी की। इस किस्त के साथ ही केंद्र सरकार अब तक सीधे किसानों के बैंक अकाउंट में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रकम ट्रांसफर कर चुकी है। पीएम किसान स्कीम की पहली किस्त 1 दिसंबर 2018 से 31 मार्च 2019 के बीच जारी की गई थी। तब से अब तक हर साल सरकार किसानों को सालाना 6000-6000 रुपये दे रही है। योजना की 11वीं किस्त ट्रांसफर करने के कार्यक्रम में पूसा दिल्ली से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। हालांकि, अगर आप पात्र किसान हैं, तो योजना का लाभ लेने के लिए आपकी केवाईसी अपडेट होना अनिवार्य है।

भारत-पाक के बीच सिंधु जल संधि पर वार्ता का आज अंतिम दिन

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु आयोग की 118वीं दो दिवसीय बैठक का मंगलवार को अंतिम दिन है। दोनों पक्षों की ओर से इस बैठक में सकारात्मक नतीजे दिख रहे हैं। सिंधु जल संधि 1960 के तहत सोमवार से शुरू इस बैठक का आयोजन हर साल होता है। इस बैठक के लिए पाकिस्तान से छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को वाघा बार्डर के जरिए भारत आया है जिसमें एक महिला भी शामिल हैं। सूत्रों ने पुष्टि की है कि बातचीत शुरू हो गयी और सौहार्दपूर्ण माहौल में पाकिस्तान की आपत्तियों पर चर्चा हो रही है। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल में सैयद मोहम्मद, मेहर अली शाह, साहिबजाद खान, हबीबउल्लाह बोदला, सामान मुनीब और खालिद महमूद हैं। इस वार्ता के लिए भारत की ओर से छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई भारत के सिंधु जल आयुक्त एके पाल कर रहे हैं। इससे पहले 117वीं बैठक इस्लामाबाद में हुई थी। 1-3 मार्च तक आयोजित इस बैठक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व पीके सक्सेना ने किया था। उस वक्त सक्सेना ही भारत के सिंधु जल आयुक्त थे। 1960 के प्राविधानों के अनुसार भारत और पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल आयुक्तों का होना जरूरी है और इन्हें साल में एक बार वार्ता करनी होगी। सिंधु बेसिन में शामिल हो रहीं छह नदियों में से पूर्वी तीन नदियों पर भारत का पूरा अधिकार है। ये नदिया हैं- सतलज, व्यास और रावी। वहीं पाकिस्तान का तीन पश्चिमी नदियों पर अधिकार है। ये हैं चिनाब, झेलम और सिंधु। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल तक चली बातचीत के बाद 1960 में इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। संधि में नदियों के इस्तेमाल के संबंध में दोनों देशों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक व्यवस्था तय की गई। हालांकि, संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच असहमतियां और मतभेद भी रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मध्य जनवरी में यहां आना था, लेकिन कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण भारत ने इस बैठक को स्थगित करने का अनुरोध किया था।

नारी गुरुकुल प्रयागराज की अध्यक्षा डॉ स्नेह सुधा के.पी..ग इं कॉलेज की प्रवक्ता का उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। दिनांक 29/5/2022 को नारी गुरुकुल के तत्वावधान में 16/

9 थार्नहिल रोड चौराहा सिविल लाइन्स के काफी अड्डा परिसर में स्थित सभागार में निःशुल्क बालिका शिक्षा का एक बृहद् कार्य क्रम आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणपति वंदन एवं सरस्वती वंदना से किया गयर्निारी गुरुकुल प्रयागराज की अध्यक्षा डा. स्नेह सुधा ने अतिथि मण्डल का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा वर्तमान संदर्भ में बालिका शिक्षा की सार्थकता को रेखांकित किया उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व में अशिक्षा एवं पुरूष प्रधान समाज होने के कारण बालिका को अपने कर्तव्य तो पता होते थे परंतु अधिकार नहीं परंतु आज की नारी अपने कर्तव्य एवं अधिकार दोनों के प्रति सजग है तभी तोःखडी सफलता की मंजिलों पर वह शान से मुस्करा रही है नदी के जैसे बना के रस्ता मुकाम अपना वो पा रही है उन्होंने कहा कि उनकी संस्था नारी गुरुकुल माननीय मोदी जी एवं योगी जी की मिशन बालिका और उसके सर्वांगीण विकास की प्रबल पक्षध।

मार्ग दुर्घटना में पुत्र की मौत, पिता घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीती रात 9:30 बजे गांव गोपालीपुर थाना सराय ममरेज निवासी रवि कुमार पटेल पुत्र लालजी पटेल उम्र 22 वर्ष बाइक द्वारा रिश्तेदार के यहां सिकंदरा वैवाहिक कार्यक्रम में जा रहे थे। फूलपुर तहसील के सामने बने स्पीड ब्रेकर पर तेज रफ्तार बाइक सहित रवि कुमार पलट गया। इसी बीच सामने फ्लाईओवर से जौनपुर की ओर से तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने रवि कुमार को रौद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रवि कुमार के पिता लालजी बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पाकर थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय, चौकी इंचार्ज विनय कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक माजिद खान, सुनील मिश्रा आदि मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भिजवाया। जबकि लाल जी पटेल को घायल अवस्था में अस्पताल भेजा गया तथा घरवालों को सूचना भेजी गई।

मर्जिया ने नेपाल में कराटे में लोहा मनवाया,जीते डबल मेडल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपनी मेहनत,लगन एवं कौशल से जनपद की एक होनहार खिलाड़ी ने अपने दम पर नेपाल में

कराटे में डबल मेडल हासिल कर जनपद का मान बढ़ाया है। डबल मैडल जीतकर मजिन्या मुजफ्फर ने न केवल नेपाल वासियों का दिल जीता बल्कि जनपदवासियों की खूब वाहवाही बटोरी है।उसके कोच राम अवधेश तिवारी जहाँ अपनी शिष्य के प्रदर्शन से फख्र महसूस कर रहे हैं।वही जनपद के तमाम लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए उसे अपनी बधाई दी है। नेपाल में अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ के नौनिहालों का प्रदर्शन देखने देश-विदेश के लोगों का हुजूम उमड़ा था।इनके हुनर को देख सभी वाह-वाह कर बैठे। अपने करिश्माई हुनर से इन खिलाड़ियों ने 24मेडल अपने नाम किए।वहीं इनके प्रशिक्षक राम अवधेश तिवारी का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन इनकी सफलता में महत्वपूर्ण रहा।

रोजगार मेले में 133 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर एवं आई0टी0 आई0 परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें 300 से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिला सेवायोजन कार्यालय में आयोजित रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की मैपल स्टाफिंग साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड एवं ब्राइटफ्यूचर ऑर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विभिन्न पदों हेतु प्रतिभाग किया गया। ब्राइटफ्यूचर ऑर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक द्वारा डिस्ट्रिक्ट हेड, ब्लाक हेड एवं क्लस्टर हेड पदों हेतु तो वही मैपल स्टाफिंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हेल्पर, वेल्डर, ग्राइंडर मैन, प्रेस आपरेटर, क्रेन आपरेटर इत्यादि टेकिन्कल/नॉन टेकिन्कल रिक्त पदों हेतु अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया गया। रोजगार मेले में 123 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। मेले से पूर्व अभ्यर्थियों की कैरियर काउंसलिंग भी की गई जहां उन्हें निजी क्षेत्रों में उपलब्ध सम्भावनाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी, कनिष्ठ सहायक शुभम श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। इसके अलावा आई0टी0आई0 में आयोजित रोजगार मेले में सुप्रजीत इंजीनियरिंग लिमिटेड फीनिक्स लैप नोएडा, तेजस्वी संगठन न्यूज साक्षात्कार व मिट्रो ट्रेडिंग कम्पनी प्रतापगढ़ द्वारा कुल 10 प्रशिक्षार्थियों का चयन किया गया। इस दौरान आई0टी0आई0 के नोडल प्रधानाचार्य बीरेन्द्र बहादुर सिंह, आई0टी0आई0 प्रधानाचार्य पट्टी गुन्जन गुप्ता उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मण्डलायुक्त ने उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के दिए निर्देश मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों को उद्यमियों के

लम्बित आवेदन पत्रों को निर्धारित समयसीमा में निस्तारित करने के दिए निर्देश विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 457 लाख रूपये के ऋण स्वीकृत पत्र तथा टूलकिट का किया गया वितरण मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को गांधी सभागार में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने उद्यमियों की समस्याओं को एवं उनके लम्बित आवेदन पत्रों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दिए है। मण्डलायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि अनापत्ति प्रमाणपत्र भी निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत निर्गत किए जाए। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों/समस्याओं को निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत निस्तारित करने तथा एमएसएमई विभाग की 100 दिन की कायर्योजना के अन्तर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए है।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन का वर्चुअल कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना का वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका सजीव प्रसारण एनआईसी के सभागार में किया गया। वर्चुअल कार्यक्रम का अवलोकन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, सांसद प्रतिनिधि अभिषेक पाण्डेय, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्चुअल सम्बोधित किया। प्रधानमंत्री ने योजना के लाभार्थी बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं, सेवाओ की जानकारी देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। एन0आई0सी0 सभागार में पीएम केयर फॉर चिल्ड्रेन के अन्तर्गत कोविड की वैश्विक महामारी में जनपद से चिन्हित बच्चों को जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने पीएम का सन्ह पत्र प्रदान किया।

अधीक्षण अभियंता के तेवर सख्त खंसार उप केंद्र पहुंचे मकैनिक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। तीन दिन पूर्व आई जबरदस्त आंधी में जहां खंसार उप केंद्र की ट्राली में बड़ी खराबी आने के कारण स्थानीय कर्मचारियों

को उप केंद्र डाइवेट इनकमिंग से चलाना पड़ा। जो खतरे से खाली नहीं था। परंतु उपखंड स्तर के जिम्मेदारों के बस की बात नहीं थी। अतः अधीक्षण अभियंता आनंद पांडेय के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने वर्कशॉप से ताबड़तोड़ मिस्त्री भेज दिया। मंगलवार को सुबह से ही फीडरो की मरम्मत चल रही है। शाम तक सप्लाई बहाल हो जाने की आशा है। एसडीओ प्रांजल मिश्र बराबर मॉनटरिंग कर रहे है। उप केंद्र के समस्त कर्मी मुलायम, आशीष, उदय यादव, कल्लू सरोज, बबलू आदि भी जी जान से जुटे रहे।

बैंक ऋण के लम्बित आवेदन पत्रों को निस्तारित करायें -जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पनन हुई। बैठक में उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया द्वारा ऋण योजनाओं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ऋण योजनाओं से सम्बन्धित बैंकों में लम्बित आवेदन पत्रों के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक कर निस्तारित करवाया जाय। उन्होंने निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि विभिनन ऋण योजनाओं का लाभ कुछ ही परिवारों तक सीमित न रहे, इन योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभाथिर्यों को ही मिले। विभिनन विभागीय ऋण योजनाओं में लाभान्वित लाभाथिर्यों की सूची अग्रणी बैंक जिला प्रबन्धक द्वारा उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों से समस्त स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण पत्र/अनुमोदन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिये। मनोरंजन विभाग से सम्बन्धित प्रकरण के लम्बित रहने पर इसे अपर जिलाधिकारी के माध्यम से जल्द से जल्द निस्तारित कराने का निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिया। औद्योगिक आस्थान सुखपालनगर में बाउण्ड्रीवाल पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में उद्यमियों द्वारा शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदर द्वारा इससे इन्कार किया गया। बैठक में उद्यामियों द्वारा औद्योगिक आस्थान में मरम्मत कार्य बाधित होने का मुद्दा उठाया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था को पत्र प्रेषित कराने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा सरकार के 100 दिवसीय कार्य योजना के अन्तर्गत जून के अन्त में एक ऋण मेला जनपद में आयोजित किये जाने के सन्दर्भ में अवगत कराया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अग्रणी बैंक प्रबन्धक अमित बाजपेई, श्रम प्रर्वतन अधिकारी महेन्द्र सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मुदित सिंह, उद्यमी अनुराग खण्डेलवाल, रोशन लाल ऊमरवैश्य, मो0 अनाम, राजेन्द्र केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

सप्ताह में पांच दिन चलेगी प्रयागराज से सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज से कुंभ नगरी हरिद्वार के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस

(लिंक एक्सप्रेस) अब सप्ताह में पांच दिन चलेगी जबकि इसे प्रतिदिन चलाने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। यात्रियों को तात्कालिक लाभ देने के लिए इसे पांच दिन चलाने के लिए समय सारिणी बुधवार को जारी हुई सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से 14113/14114 लिंक एक्सप्रेस देहरादून रेलवे स्टेशन के बीच चलती है। इसके मेंनटेनेंस का काम पांच जून से सूबेदारगंज में नवनिर्मित पिट लाइन में होगा। ट्रेन की आवृत्ति में वृद्धि होने से प्रयागराज समेत कानपुर, टूंडला, अलीगढ़, मुरादाबाद जैसे शहरों के यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। हाईकोर्ट आने वाले यात्रियों को आवागमन अब और सहज हो जाएगा। 14113/14 सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस सात जून से सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार , शनिवार को रात नौ बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 1.15 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी में 10 जून से देहरादून से सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार को दोपहर 1.25 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह छह बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी प्रयागराज : उप्र कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई। बुधवार को आमसभा की बैठक में चुनाव अधिकारी के साथ ही तिथि की भी घोषणा की गई। बैठक के बाद नामांकन हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए अजय शंकर श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए चंद्रशेखर, मंत्री पद के लिए महेंद्र पांडेय व चंडिका प्रसाद त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री पद के लिए नरेंद्र कुमार यादव के अलावा आधा दर्जन अन्य प्रत्याशियों की उम्मीदवारी सही पाई गई। चुनाव 19 जून को होगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 जून 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

देश के ठरेल मदद ऐप' से मामले की निस्तारण में पूर्वोत्तर रेलवे को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया/गोरखपुर। भारत सरकार के रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने 67वें राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह की 2022 के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में 'रेल मदद ऐप' के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण करने संबंधी मामले में देश के भारतीय रेल की सभी जोनों में पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रथम स्थान पाकर सर्वश्रेष्ठ की तगमा हासिल करने मे एक बड़ी सफलता प्राप्त किया है। ऐसे मे पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक अनुपम शर्मा एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक संजय मिश्र रेलमंत्री ने ठरेल मदद शील्ड' प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे के 6 अधिकारियों कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में उप महाप्रबन्धक सामान्य कृष्ण चन्द्र सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर रण विजय प्रताप, टेकिनषियन ग्रेड-।।। राम प्रीत, इलेक्ट्रिकल सिगनल मेन्टेनर ग्रेड-। वेद प्रकाष, निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, अनिरूद्ध राय, सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य मनीष यादवों सम्मिलित है। इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी उनन्यन, खर्चों में मितव्ययिता हेतु प्रभावी कदम, उत्पादन में सुधार आदि कार्य के

साथ ही गाड़ी संचलन,सुरक्षा एवं संरक्षा मेंसराहनीय योगदान, उत्कृष्ट अनुरक्षण एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग लिये रेल मंत्री द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है। ज्ञातव्य है कि पूर्वोत्तर रेलवे ने वर्ष 2021-22 में रेल मदद पोर्टल पर कुल 39,087 शिकायत प्राप्त किया तथा सभी का निस्तारण समय से किया गया। 39,087 शिकायतों के निस्तारण के उपरान्त यात्रियों से कुल 17,605 फीड बैक प्राप्त हुए, जिनमें से 11,766 फीड बैक उत्कृष्ट रहें अर्थात कुल 66.83 प्रतिशत उत्कृष्ट रहा। रेलवे यात्री शिकायत निवारण और प्रबन्धन प्रणाली 'रेल मदद ऐप' यात्रियों को मोबाइल फोन या वेब के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है साथ ऐप में फोटो अपलोड करने का भी विकल्प है। एक बार जब यात्री अपनी षिकायत दर्ज कर लेता है, तो उसे भारतीय रेलवे द्वारा की गयी कार्यवाही के बारे में सूचित करने हेतु एस.एम.एस. के माध्यम से एक त्वरित आई.डी. प्राप्त होती है साथ ही 'रेल मदद ऐप' यात्रियों को उनकी षिकायतों के निवारण की स्थिति पर रीयल टाइम फीड बैक देता है। इस ऐप पर विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर प्रदर्शित होता है जैसे- चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर, सुरक्षा नम्बर तथा इसके अतिरिक्त एक आसान चरण में तत्काल सहायता के लिये सीधे काल करने की सुविधा भी प्रदान करता है। पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी मिडिया को बताया कि इटरनेट के इस युग में अब रेलवे तक अपनी शिकायत पहुँचाना बेहद आसान है। इसके अलावा आप अन्य किसी भी प्रकार की शिकायत इसके जरिए कर सकते है। यात्रा के दौरान यात्री पानी, बिजली और साफ-सफाई के लिये शिकायत दर्ज करा सकते है। इसके लिये यात्री को एक ऑन लाइन फार्म भरना होता है, जिसमें शिकायत संबंधी विवरण, घटना की तारीख, कर्मचारी का नाम, घटना स्थल इत्यादि की जानकारी देनी होती है।यात्री इसमें अपनी शिकायत विस्तृत रूप में लिख सकते है।

विश्व दुग्ध दिवस 2022 का विषय डेयरी क्षेत्र में स्थिरता

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। (विश्व दूध दिवस) विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दूध के संबंध में लोगो का ध्यान आकर्षित करना एवं दूध उद्योग से जुड़ी गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के लिए अवसर प्रदान करना है। इस उत्सव में वर्ष दर वर्ष भाग लेने वाले देशों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है। पूरे विश्व भर में दूध और दुग्ध उद्योग से संबंधित क्रिया-कलापों को प्रचार-प्रसार में हर वर्ष ध्यान केन्द्रित करने के लिये इसे विश्व दुग्ध दिवस के रूप मै मनाया जाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्सव संबंधित क्रिया-कलापों को आयोजित करने के द्वारा इस उत्सव का राष्ट्रीयकरण किया जा रहा है। पूरे जीवन भर सभी के लिये दूध और इसके उत्पादों के महत्व के बारे में लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिये इसे मनाया जाता है। भारत में सबसे पहले भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान इज्जत नगर बरेली में दुग्ध दिवस मनाया गया इसमें प्राकृतिक वातावरण को मानवीय रखते हुए इस थीम को रखा गया और संपूर्ण बरेली क्षेत्र में संस्थान के द्वारा लोगों को दूध बांटा गया और दूध के प्रति जागरूक किया गया , भारत की अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्व विभिन्न तरह से है भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लगभग 20.5 मिलियन

लोग अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं। छोटे ग्रामीण परिवारों की आय में पशुधन का योगदान 16ज़ था, जबकि सभी ग्रामीण परिवारों का औसत 14ज़ था। पशुधन ग्रामीण समुदाय के दो-तिहाई लोगों को आजीविका प्रदान करता है। यह भारत में लगभग 8.8ज़ आबादी को रोजगार भी प्रदान करता है। भारत में विशाल पशुधन संसाधन हैं। पशुधन क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद का 4.11ज़ और कुल कृषि जीडीपी का 25.6ज़ योगदान है।दुनिया में सबसे अधिक भैंस की आबादी भारत में है में दुनिया का सबसे अधिक पशुधन भारत मैं है जो कि 535.78 मिलियन है। देश में गाय की संख्या सबसे अधिक है जो कि 192.49 मिलियन, भैंस 109.85 मिलियन है बकरियों की आबादी 148.88 मिलियन हैं। और भेड़ 74.26 लाख है अगर भविष्य को ध्यान रखते हुए हम प्राकृतिक खेती की तरह जाये तो देश की आम जनता को फ़र्टिलाइज़र युक्त खेती से निजात मिल सकती है जिस तरह उत्तर प्रदेश में आज बहुत से सामाजिक संघठन और कृषि विभाग द्वारा गौ आधारित खेती पर प्रशिक्षण दिया जा रहा जो की बहुत ही सहा रणीय है अगर आज हमारा जल थल और वायु स्वच्छ होगा तो हमारे आस पास का माहौल भी बहुत शुद्ध होगा और हमारे पशुओ को भी स्वच्छ बतावरण में रहने पर बहुत सारे रोगों से लड़ने की छमता व निजात मिलेगा, आज पर्यावरण के वेश्विक स्तर पर बात करे तो बहुत ही नाजुक हालत में सम्पूर्ण संसार गुजर रहा है और हमें अपने आस पास के जितने भी नदी तालाब एनिकट जहाँ जल का भंडार होता हो उनका बिशेष कर ध्यान रखना होगा जिससे की हमारी गौ आधारित खेती और प्रकृति के बीच समावेश बना रहे भारत सरकार ने हाल ही में घोषणा की थी की देश के हर जिले में 75 नदी, तालाब, बांध, पोखर जैसे स्थान का पुनः जीणोद्धार कराने का कार्य किया जायेगा बरगद के पेड़ को हम पशुपालन व धार्मिक दृष्टि से ले सकते है शुद्ध हवा और चारा प्रबंधन में भी उपयोग आयेगा क्योंकि जिस तरह से अशुद्धता के कारण रोगों के प्रति लड़ने की रोग प्रतिरोधक छमता खत्म हो रही है उसमे भी कंही न कंही पर्यावरण के साथ साथ दैनिक जीवन के खान पान का भी असर है और बरगद के पेड़ का हम ग्रामीण परिवेश में चौपाल लगा कर बैठने में भखूबी उपयोग कर सकते है क्यों की बरगद का पेड़ बहुत बिशाल होता है और दूर दूर तक उसकी छाया का एहसास होता है जिससे पर्यावरण भी संतुलन रहता है व पशुओ को स्वच्छ आहार के अलावा भी बतावरण का एहसास होगा और सामाजिक भाई चारा भी बढ़ेगा ये सिर्फ और सिर्फ गो आधारित खेती और प्राकृतिक समावेश के कारण ही हो सकता है और यही इसका अंतिम उपाय है जय हिंद।

जनसम्पर्क विभाग,पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया/वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल के नेतृत्व में मंडल कार्यालय वाराणसी के प्रेमचंद सभागार कक्ष में आयोजित एक सादे समारोह में 31मई 2022 मंगलवार को सेवानिवृत्त होने वाले कुल 24 कर्मचारियों को उनके समापक धनराशि कुल आठ करोड़ पचासी लाख पैंतालीस हजार सात

सौ पैंसठ रूपये (रु 8,85,45,765) का भुगतान किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा ,मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी,रमेश उपाध्याय समेत लेखा एवं कार्मिक विभाग के निरीक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा ने सभी सेवानिवृत होने कर्मचारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार ने सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को उनके समापक के भुगतान का सर्टिफिकेट एवं सेवा मेडल प्रदान किया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अग्रिम जीवन हेतु शुभकामनाएं देते हुए मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार ने कर्मचारियों की लम्बी एवं उल्लेखनीय सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के उपरांत कर्मचारियों को मिलने वाला यह धन उनके जीवन भर के परिश्रम की कमाई है।इस लिए बहुत सूझ-बुझ कर ही इसका व्यय करें। उन्होंने कहा कि आप सभी स्वस्थ्य रहें तथा अपने रूचि अनुसार सामजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपना समय लगाये ऐसी मेरी शुभकामना है। वाराणसी मंडल विगत वषी से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को उनके सभी प्रकार के देयों का सम्पूर्ण भुगतान उनके सेवानिवृति के दिन ही किया जा रहा है,यह लेखा एवं कार्मिक विभाग के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के परस्पर सामंजस्य एवं कठिन परिश्रम के फलस्वरूप संभव हो पा रहा है। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा ने सेवानिवृत कर्मचारियों को आई कार्ड ,सेवा प्रमाण पत्र एवं पीपीओ सम्बन्धी सभी दस्तावेजों के विषय में विस्तार से बतलाया और उनको समझाया कि वे अपनी प्राप्तियों का बहुत सोच समझ कर उपयोग करें और किसी व्यक्ति या संस्था के बहकावे अथवा भावनाओं में इसे अनुचित व्यक्ति को नहीं देंगे। उन्होंने बताया बहुत से लोग ऐसे अवसरों के तलाश में रहते हैं और तरह तरह के प्रलोभन देकर धन फंसा देते है ।सतर्क रहें यह आपके जीवन की पूंजी है बहुत आवश्यक हो तभी खर्च करें यथा संभव अपनी प्राप्तियों को सुरक्षित रखने का प्रयास करें। अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार 31 मई, 2022 को सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों में अखिलेश तिवारी वाणिज्य अधी,राधेश्याम पाण्डेय मुटिनि, राधेश्याम यादव/मुटिनि, पारस नाथ/हमाल, दान बहादुर यादव प्र0 गॉर्ड, सुरेंद्र सिंह स्टेशन अधीक्षक, रामवृक्ष लाल स्टेशन अधीक्षक, कमला प्रसाद विश्वकर्मा- गेटमैन, खुर्शीद अहमद लोपा, अदालत तकनीशियन , मो सगीर तकनीशियन, प्रेमचंद्र राम ई इस एम,हरेंद्र कुमार यादव एम सी एम, चतुरी प्रसाद/एम सी एम,श्रीमती शशि कला सिंह मु0 मैट्रन, श्रीमती वीना सिंह मु0 मैट्रन , श्याम लाल राम सफाई वाला, अख्तर हुसैन ट्रैकमेंटेनर, श्याम नारायण राम ट्रैकमैन, शिव नारायण मंडल गेटमैन, राम ललित सिंह ट्रैकमेंटेनर, भरत प्रसाद, ट्रैकमेंटेनर, शिवनाथ, ट्रैकमेंटेनर,तथा शिवराम, वाल्बमैन रहे।

पीएम मोदी के वाराणसी मे बांग्लादेश के रेलमंत्री दो दिवसीय दौरे पर मंडल रेल प्रबंधक ने स्मृति चिह्न देकर किया स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया/वाराणसी। देश के लोकप्रिय पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी मे आज सोमवार को बांग्लादेश के रेलमंत्री नुरुल इस्लाम सुजान अपने दो दिवसीय दौरे पर

सायँकाल बनारस स्टेशन पहुँचे।बांग्लादेश के रेलमंत्री नुरुल इस्लाम सुजान भारत के सात दिवसीय दौरे पर है आज रेलमंत्री इस्लाम दोपहर में विशेष ट्रेन से रायबरेली से रवाना होकर बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म 08 पर शाम 6:30बजे उतरे। रेलमंत्री बांग्लादेश के आगमन के अवसर पर उनकी अगवानी करते हुए रामाश्रय पाण्डेय मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी द्वारा उन्हे पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन पूर्वोत्तर रेलवे एवं उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे। रेलमंत्री श्री नुरुल इस्लाम ने अपने आगमन के साथ ही अपने दस सदस्यीय दल को लेकर बनारस स्टेशन के भव्य स्वरूप,स्टेशन के इन्फ्रास्ट्रक्चर, विश्वस्तरीय साज-सज्जा एवं यात्री सुख-सुविधाओं का अवलोकन किया और सराहना की अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार बांग्लादेश के रेलमंत्री रेल पटरियों के मानीटरिंग के लिए बने विशेष निरीक्षण यान से लखनऊ से रायबरेली तदुपरांत बनारस पहुँचें।इस दौरान उन्होंने भारतीय रेलवे के ट्रैक मेंटेनेंस,परिचालन एवं सिगनल तकनीकी का संज्ञान लिया और रेल कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। कल रेलमंत्री बनारस लोको मोटिव वर्कशॉप का निरीक्षण करेंगे और बांग्लादेश की आवश्यकताओं एवं गेज मानकों के अनुसार इंजन के उत्पादन के सम्बंध में अधिकारियों से विमर्श करेंगे। इसी क्रम में मंगलवार को दोपहर रेलमंत्री के दल के कुछ सदस्य गण बनारस स्टेशन पर हुई दुर्घटना राहत मेडिकल यान का निरीक्षण कर भारतीय रेलवे की दुर्घटना एवं चिकित्सा राहत व्यवस्था देखेंगे।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल संवाद देखने,सुनने को उमडी भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम के अन्तर्गत देश स्तर पर प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी जी एवं व प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभाथिर्यों के साथ वर्चुअल संवाद कार्यक्रम का आयोजन जनपद मुख्यालय पर तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार एवं विकास खण्डों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, सांसद प्रतिनिधि दिनेश गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर0सी0 शर्मा, डीसी एन0 आर0एल0एम0 एन0एन0 मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा मुदित सिंह, ई-डिस्ट्रिक मैनेजर पुष्पेन्द्र व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थीगण, जनप्रतिनिधिगण एवं जन सामान्य ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण कार्यक्रम को देखा एवं सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी दोनो), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहीर दोनो), जल जीवन मिशन और अमृत, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजनाओं के लाभार्थी सम्मिलित हुये। इस दौरान शिमला से मा0 प्रधानमंत्री जी ने देश के 10 करोड़ किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त की धनराशि का आनलाइन माध्यम से हस्तांतरित किया। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान जनपद

प्रतापगढ़ की विद्युत सखी प्रियंका यादव से लखनऊ संवाद किया भी किया। कार्यक्रम में डीसी एन0आर0एल0एम0 ने बताया कि जनपद की 158 विद्युत सखियों ने सक्रिय होकर पास मशीन के माध्यम से 52 लाख 69 हजार 996 रूपये के बिजली बिल की वसूली की है जिसके सापेक्ष विद्युत सखियों ने 1 लाख 16 हजार 648 रूपये का कमीशन प्राप्त किया है। विद्युत सखी प्रियंका यादव द्वारा 10 लाख रूपये तक का बिजली का बिल जमा कराया गया है। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग द्वारा लाभाथिर्यों एवं जनसामान्य को मिशन शक्ति फोल्डर एवं उत्तर प्रदेश संदेश पत्रिका का वितरण किया गया।

फर्म- मनोज कुमार एण्ड ब्रदर्स
पता- नेवादा समोगर (डेरी) नैनी, प्रयागराज
मालिक - त्रियुगी नारायण केसरवानी
खोया अुआ सामान- बैट का फार्म 38 संख्या DD0349727

वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के आसपास के होटलों में शराब परोसने की सूचना पर छापेमारी, एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू

वाराणसी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के सामने और परेड कोठी में होटल, गेस्ट हाउस और पेईंग गेस्ट हाउस में अवैध तरीके से शराब परोसे जाने का भंडाफोड बुधवार

की रात आबकारी विभाग की टीम ने किया। होटल के रेस्टोरेंट में खुलेआम लोग शराब पी रहे थे। टीम ने मौके से भारी मात्रा में शराब, बीयर की बोतल और केन बरामद करने के साथ होटल संचालकों के खिलाफ आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रात में अचानक कार्रवाई से संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। टीम को देख शराब पी रहे लोग इधर-उधर भागने लगे। कई लोगों को पकड़ने के साथ उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। किसी ने शराब पीलाने का लाइसेंस नहीं लिया था। कैंट रेलवे स्टेशन के सामने और परेड कोठी में कई होटल, गेस्ट हाउस और पेईंग गेस्ट हाउस में खुलेआम शराब पीने की शिकायत आबकारी विभाग को मिल रही थी। बुधवार को प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी विष्णु प्रताप सिंह को सूचना मिली कि कैंट में एक होटल में शराब पार्टी चल रही है। उन्होंने टीम गठित कर रात में अचानक होटल सिटी इन पहुंचे और लोगों को खुलेआम शराब पीते देख हैरान हो गए। टीम ने मौके से भारी मात्रा में शराब और बीयर बरामद किया। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि विष्णु प्रिया, प्रताप, संदीप गेस्ट हाउस, होटल सिटी इन शराब और बीयर मिला। टीम में आबकारी इंस्पेक्टर पवन मिश्रा, जिलाजीत सिंह, सुरेंद्र शामिल थे।

दिल्ली-हावड़ा मेन लाइन से जुड़ जाएगी पूर्वांचल की बड़ी आबादी

गाजीपुर। दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग के दिलदारनगर जंक्शन से वाराणसी-बलिया के गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन को जोड़ का काम अंतिम चरण में है, जिसकी लंबाई 14 किलोमीटर है। इसमें गंगा पर बन रहा रेल सह सड़क पुल भी है। यह प्रथम चरण का काम है, दूसरे चरण में 37 किलोमीटर रेललाइन बिछाई जाएगी। भले ही ऐसी कोई घोषणा न हो लेकिन 2024 के आम चुनाव से पहले ताड़ीघाट से गाजीपुर सिटी के बीच ट्रेन दौड़ाने की तैयारी तेज है। रेलवे विकास निगम लि. (आरवीएनएल) के लोग दिन-रात दो पाली में काम कर रहे हैं। तत्कालीन रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा के प्रयास से यह परियोजना स्वीकृत हुई थी। बीच में जमीन अधिग्रहण और उसके बाद कोरोना महामारी ने अवरोध पैदा किया। इस समय तक 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। इसके पूर्ण होने से पूर्वांचल की बड़ी आबादी दिल्ली-हावड़ा मेनलाइन से जुड़ जाएगी हर हाल में 31 दिसंबर 2022 तक निर्माता कंपनियां यहां का कार्य पूरा करें। निर्माता कंपनी एसपी सिंगला (पंचकूला) पंजाब और रेलवे लाइन व स्टेशन निर्माता जीपीटी के अधिकारियों को इस बारे में निर्देशित किया गया है।

जौनपुर में अटाला मस्जिद में ईंट और सीमेंट के प्रयोग पर उठा सवाल

जौनपुर । अटाला मस्जिद के दूसरे तल पर हरा पर्दा लगाकर ग्राइंडर से मंदिर का साक्ष्य नष्ट करने का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल होने के बाद सोमवार को ट्वीट किया गया था। जिसके बाद प्रशासन व पुरातत्व विभाग की टीमों ने अटाला मस्जिद का स्थलीय निरीक्षण शुरू कर दिया है। बुधवार को सारनाथ

से पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम पहुंची। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में ईंट व सीमेंट के प्रयोग पर सवालिया निशान लगाया। इसके साथ ही दीवारों की फोटो ली। अटाला मस्जिद में पुरातत्व सर्वेक्षण की तीन सदस्यीय टीम सारनाथ से उप अधीक्षण पुरातत्वविद डाक्टर प्रकाश के नेतृत्व में करीब साढ़े बारह बजे पहुंची। जहां उन्होंने मस्जिद कमेटी के सदस्यों के साथ अंदर जाकर दीवारों आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। मस्जिद के पूर्वी गेट की तरफ चल रहे स्कूल में ईंट व सीमेंट के प्रयोग पर, बरामदे की तरफ ईंटों की दीवार व लोहे की रेलिंग लगाने पर सवालिया निशान लगाया। वजू स्थल पर टाइल्स लगाने पर भी आपत्ति दर्ज की। मस्जिद परिसर के अंदर जर्जर हिस्सों में सीमेंट व ईंट के प्रयोग पर भी प्रश्नचिह्न लगाया। महिलाओं के लिए बने इबादत घर में नक्काशी व अन्य चीजों की मोबाइल से रिकार्डिंग व फोटो की।। उत्तरी गेट की तरफ बने बाथरूम व सीमेंट शेड लगाए जाने पर भी पूछताछ किया। इसके साथ ही कमेटी को निर्देश दिया कि ऐसा कोई कार्य न करें जिससे मस्जिद के स्वरूप पर असर पड़े। लगभग एक घंटे तक निरीक्षण के बाद टीम वापस लौट गई। इस मौके पर इंजीनियर पीके त्रिपाठी, सर्वेयर रामनरेश यादव, माजिद हसन, राहुल प्रसाद, मनीष मौर्य आदि मौजूद थे। मस्जिद के संबंध में वायरल वीडियो को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने सीएम योगी आदित्यनाथ व डीएम जौनपुर मनीष कुमार वर्मा को ट्वीट कर इसकी जांच कराने की मांग की थी। जिसके बाद मंगलवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु नागपाल व एडीएम भू-राजस्व रजनीश राय ने मस्जिद का निरीक्षण किया, जिसमें सभी ने वीडियो साक्ष्य को लेकर कही गई बात को बेबुनियाद बताया था।

माननीय प्रधानमंत्री जी के शिमला में आयोजित गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम का किया गया लाइव प्रसारण

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम मे विभिन्न योजनाओं के लाभाथिर्यों को किया गया सम्मानित माननीय प्रधानमंत्री जी के शिमला में आयोजित गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम का जिला पंचायत सभागार तथा विकासखण्डो एवं कृषि विज्ञान केन्द्रो पर लाइव प्रसारण किया गया, शिमला में आयोजित कार्यक्रम मे माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा देश के कई राज्यों के विभिन्न योजनाओं के लाभाथिर्यो से संवाद भी किया गया तथा माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा लोगो सम्बोधित भी किया गया। शिमला में आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 10 करोड़ से ज्यादा किसानो को 21 हजार करोड़ रूपये से अधिक की ग्याहरवीं किस्त का बटन दबाकर हस्तांतरण भी किया गया। शिमला में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में वर्चुवल रूप से प्रतिभाग करते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियो से संवाद किया गया और उनके द्वारा संबोधित भी किया गया। जिला पंचायत सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल के द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभाथियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, सम्मानित होने वाले लाभाथियों में पीएम आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, किसान सम्मान निधि योजना, अमृत योजना, पीएम स्वःनिधि योजना, मुद्रा योजना, बैंक समूह सखी, ग्रामीण अजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं के लाभाथियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, बैंक समूह सखी के लाभाथियों को साड़ी, मुद्रा योजना एवं पीएम स्वःनिधि योजना के लाभाथियों को ऋण स्वीकृत पत्र तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभाथियों को चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, जिला विकास अधिकारी श्री अशोक कुमार मौर्या, उप निदेशक कृषि श्री बिनोद कुमार तथा अन्य सम्बन्धित विभागो के अधिकारीगण तथा विभिन्न योजनाओ के लाभार्थीगण उपस्थित रहें।

खन्न माफियाओं के इशारे पर हो रही कार्रवाई

मीरजापुर । अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को डीएम से मिला। डीएम को पत्रक सौंपकर अहरौरा थाना व इमिलियाचट्टी चौकी पुलिस पर खनन माफियाओं के इशारे पर द्वेषपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। दोषियों पर कार्रवाई की मांग की अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश सचिव, फार्मा एक्टिविस्ट, आरटीआइ व आइजीआरएस एक्टिविस्ट संपूर्णानंद ने बताया कि अहरौरा थाना क्षेत्र के सोनपुर, भगौतीदेइ, बियाहुर, चकजाता सहित कई गांव के पहाड़ पर पुलिस-प्रशासन की शह पर अवैध खनन हो रहें हैं। सुविधा शुल्क न देने पर खनन माफियाओं के इशारे पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। बताया कि फर्जी मुकदमा दर्ज कर मीरजापुर न्यायालय में रिपोर्ट भी सौंपा गया। संपूर्णानंद दवा कारोबारी हैं और सोनपुर में उनकी फार्मेसी है। उनका निवास स्थान भगौतीदेइ है न कि सोनपुर। मनगढ़ंत व झूठी रिपार्ट की शिकायत उच्चाधिकारियों से की गई और आरटीआइ के माध्यम से सूचना भी मांगी गई लेकिन अभी तक कोई जवाब मिला। डीएम से मिलने वालों में संपूर्णानंद, रजत राय, विनय पांडेय, अभय वर्मा, दीनानाथ मौर्या, शशिभूषण सिंह, संतोष यादव, संदीप, गगन मौर्या, रिजवान अहमद थे।

निर्माण कार्य के लिए पीडब्लूयूडी ने किया सर्वे

हलिया (मीरजापुर) । ब्लाक मुख्यालय परिसर में राज्यसभा सांसद अरुण सिंह के निधि के 50 लाख रुपये की लागत से आडीटोरिएम कम मीटिग हाल का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को पीडब्लूयूडी के अवर अभियंता सुशील कुमार व बीडीओ विजय कुमार ने भूमि की नापी करते हुए सर्वे किया विकास खंड में मीटिग हाल की समस्या को देखते हुए सांसद निधि से बनवाने की घोषणा क्षेत्र पंचायत की बैठक में सांसद प्रतिनिधि धनंजय पांडेय ने की थी। अवर अभियंता ने बीडीओ आवास के बगल में खाली पड़ी भूमि पर मीटिग हाल बनाने के लिए सर्वे कर भूमि की नापी कर ड्राइंग तैयार किया। जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। हाल बन जाने से ग्राम प्रधान सहित विभागीय अधिकारियों को मीटिग के लिए असुविधा नहीं होगी। इस दौरान जेई सुनील कुमार, प्रधान सूरज मौर्य, विनोद सिंह, अनिल सिंह, जयशंकर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

दोषी दंपतियों को 5-5 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े चार वर्ष पूर्व हुए आपराधिक मानव वध के प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नम्बर-3 सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी दम्पतियों कौशिल्या व कमलेश को 5-5 वर्ष की कैद एवं 5-5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2-2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रायपुर थाना क्षेत्र के चौखड़ा गांव निवासिनी रेखा कुमारी मोदनवाल पुत्री गोपाल मोदनवाल ने 9 नवंबर 2017 को रायपुर थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसके चाचा कमलेश मोदनवाल की लड़की बतासा कुमारी द्वारा 20 हजार रुपये लेने को लेकर उसकी मां श्यामा देवी के पूछने पर उसके चाचा कमलेश मोदनवाल, चाची कौशिल्या, बेटी बतासा व बेटा मोनू द्वारा उसकी मां श्यामा देवी को कुदाल, लोहे की फुकनी एवं लात मुक्का से मारापीटा गया। जिसकी वजह से मां के दाहिने आंख के ऊपर गंभीर चोटें आई और वे बेहोश हो गई। मां के सर व मुंह से काफी खून बह रहा था। जिसे दवा-इलाज के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। उधर अभियुक्तों ने गाली देते हुए कहीं शिकायत करने पर जान मारने की धमकी दिया। इस तहरीर पर रायपुर पुलिस ने कौशिल्या, कमलेश, बतासा व मोनू के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया था। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में कौशिल्या व कमलेश के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी कौशिल्या व कमलेश को 5-5 वर्ष की कैद एवं 5-5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2-2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील विनोद पाठक ने बहस की।

दो ट्रक सीज, 90 हजार जुर्माना

चील्ह, मीरजापुर । मंडी सचिव भदोही ने गुरुवार की शाम चील्ह चौराहे पर लगभग पांच लाख का जौ अवैध रूप से ले जाने के आरोप में एक ट्रक को सीज किया। सोनभद्र जनपद के घोरावल मंडी से दो ट्रक जौ आजमगढ़ की ओर जा रहा था। इसकी कीमत लगभग पांच लाख चालीस हजार रुपये है। दोनों ट्रक बिना गेट पास लिए सरकार का टैक्स चोरी कर अवैध परिवहन कर रहे थे। इसकी जानकारी होने पर धीरेंद्र गुप्ता मंडी सचिव भदोही चील्ह तिराहे पर पहुंचे और दोनों वाहनों को पकड़ लिया । कागजात मांगने पर चालक कुछ नहीं दिखा पाए। इसके बाद उन्हें सीज करते हुए 90 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। वाहन को अपने साथ मंडी समिति गोपीगंज भदोही लेकर चले गए।

पारिवारिक कलह के चलते युवक ने लगाई फांसी, मौत

चुनार (मीरजापुर) । सीखड़ क्षेत्र के मगरहां गांव में गुरुवार को पारिवारिक कलह के चलते 36 वर्षीय प्रदीप ने फांसी लगाकर जान दे दी। स्वजन शव उतारकर अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को इसी बीच पुलिस मौके पर पहुंच गई और पंचनामा कराकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक दो भाइयों में बड़े थे तथा उनका छोटा भाई बाहर नौकरी करते हैं। मृतक को तीन बच्चे क्रमशः 8 वर्षीय जान्हवी, 6 वर्षीय मानवी तथा 4 वर्षीय आदित्य है। पति की मौत होने पर पतने अनीता का रो रो कर बुरा हाल था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणीलाल सेन ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि युवक की कैसे मौत हुई है। मृतक की पतने की तरफ से मामले की सूचना दी गई। बताया कि पति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। प्रदीप की मौत के बाद तीनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। इन मासूमों को पता नहीं है कि उनके पिता को क्या हुआ है लेकिन बच्चों को देख आसपास के लोगों की आंखें नम हो गई।

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मगरहां गांव निवासी प्रदीप कुमार पुत्र स्व.घूरे लाल आटो चलाकर अपना तथा परिवार का भरण पोषण करते थे। गुरुवार की सुबह प्रदीप अपने कमरे में जाकर कमरे को बंद कर लिया और पंखे के हुक में गमछे का फंदा बनाकर फांसी पर लटक गए। पति को बुलाने के लिए जब पतने कमरे के पास गई तो अंदर का श्य देख अवाक रह गई और चिल्लाने लगी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। घटना के बाद स्वजन शव को ऑटो रिक्शा में लादकर अंतिम संस्कार के लिए लेकर जा रहे थे।

कन्नौज की प्रियंका यादव से होगी 38 लाख 99 हजार की वसूली

मीरजापुर । लंदन में रहने वाली प्रियंका के नाम पर नौकरी कर रही प्रियंका यादव से अब 39 लाख की वसूली होगी। संयुक्त शिक्षा निदेशक विध्याचल मंडल कामता राम पाल ने इस बाबत आदेश जारी किया है। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने 28 अगस्त 2015 से अगस्त 2021 तक वेतन के रूप में सरकारी धनराशि 38 लाख 99 हजार 84 रुपये वसूलने का निर्देश दिया है। बीते 13 मई को आरोपित की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई थी। मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक मीरजापुर मंडल कामता राम पाल एवं गठित त्रिस्तरीय जांच समिति की रिपोर्ट पर अपर शिक्षा निदेशक डा. अंजना गोयल ने कार्रवाई की।लंदन में रहने वाली प्रियंका (वास्तविक पुत्री मनोज कुमार प्रजापति चक्रवर्ती पता रामकृष्ण नगर गुरसहायगंज कननैज, हाल पता बालाजी नगर तिरवा रोड, नजसरापुर कननैज) के शैक्षिक अभिलेख पर मीरजापुर के पहाड़ी स्थित राजकीय बालिका हाईस्कूल भरपुरा में शिक्षक की नौकरी करने के प्रकरण का राजफाश बीते 24 फरवरी को हुआ था। इसके बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। शिकायतकर्ता मनोज कुमार प्रजापति के अनुसार उनकी पुत्री प्रियंका लंदन में अपना परिवार संभाल रही है। यहां उनके कागजात पर दूसरी महिला प्रियंका यादव पुत्री अजमेर सिंह यादव पता ग्राम अदमापुर पोस्ट रोहिली थाना तालग्राम, तहसील छिबरामऊ कननैज बीते छह वर्षों से नौकरी कर रही थी। विध्याचल मंडल में अभिलेखों के सत्यापन के दौरान मामला पकड़ में आया। जांच में शिकायत सही मिलने पर अपर शिक्षा निदेशक राजकीय ने कार्रवाई की। विध्याचल मंडल में वर्ष 2014 में आयोजित एलटी भर्ती में शिक्षिका प्रियंका की उर्दू विषय में सहायक अध्यापक पद पर भर्ती हुई थी। भर्ती के बाद कागजातों का सत्यापन कराया गया। इस दौरान कननैज जिले के बालाजी नगर तिरवा रोड नजसरापुर निवासी मनोज कुमार प्रजापति ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर शिकायत की। कहा कि उनकी बेटी प्रियंका के शैक्षणिक कागजात पर एक महिला प्रियंका राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरपुरा पहाड़ी मीरजापुर में नौकरी कर रही है। संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वारा शैक्षणिक कागजातों के सत्यापन के दौरान प्रकरण की जानकारी हुई। पिता के अनुसार प्रियंका की शादी 14 फरवरी 2014 को अश्वनी कुमार पंचवटी विनायकपुर कानपुर के साथ हुई है और वह मार्च 2019 से लंदन में रह रही हैं।

सन्दिग्ध परिस्थितियों में फ्लाइओवर पर मिला व्यक्ति का शव

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के फ्लाईओवर के ऊपर बीते रात संदिग्ध परिस्थितियों में 28 वर्षीय युवक की हत्या कर शव फेंकने के मामले में परिजनों में मचा हड़कंप।सदर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे क्रॉसिंग वार्ड 16 निवासी युवक की हुई हत्या पनूगंज थाना क्षेत्र के चतरा बाजार में शादी समारोह में युवक गया था निमंत्रण देर रात कोतवाली के समीप ऊपर फ्लाईओवर पर शव मिलने की मिली सूचना पेट में लंबे कटवा दाहिने पैर में कटने का निशान परिजनों ने जाहिर की हत्या की आशंका पुलिस ने नहीं ली तहरीर जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे क्रॉसिंग वार्ड 16 निवासी देवेंद्र अवस्थी 28 वर्षीय पुत्र राजेश अवस्थी जो मंगलवार देर शाम निमंत्रण के लिए घर से पनूगंज थाना क्षेत्र के चतर मार्केट के लिए निकले थे देर रात कोतवाली क्षेत्र के ऊपर फ्लाईओवर पर कई चोट के निशान के साथ मृत अवस्था में पाए गए जिस पर परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की वहीं पुलिस ने शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया कस्बा चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने बताया कि मंगलवार देर रात 10:00 बजे लगभग फ्लाईओवर पर एक अज्ञात फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि युवक पड़ा हुआ है जिस पर मौके पर पुलिस पहुंची और युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया वही अज्ञात युवक की खोजबीन शुरू कर दी गई सुबह तक पता चला कि वह रेलवे क्रॉसिंग वार्ड 16 देवेंद्र अवस्थी के नाम से युवक की पहचान हुई वही दो भाइयों में बड़ा भाई था परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है अभी तक एप्लीकेशन न मिलने पर मामला दर्ज नहीं किया गया है हालांकि पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है पीएम रिपोर्ट आने के बाद संबंधित मामले में कार्रवाई की जाएगी।

सोन नदी में डूबे वृद्ध का 24 घंटे बाद मिला शव

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के अम्माटोला सोन नदी में मंगलवार को पानी के तेज बहाव में बह गये श्यामा केवट का शव घटना के 24 घंटे के अन्दर ही बालू के टीले पर उतराया हुआ मिला।श्यामा का भतीजा सतेन्द्र ने बताया कि सोन नदी के किनारे रात बारह बजे तक टार्च की रोशनी में लोग श्यामा की खोजबीन करते रहे।जब वे नहीं मिले तो लोग घर वापस आ गये।आज बुधवार की सुबह चार बजे ही परिजन सोन नदी क्षेत्र पहुँच गये और खोजबीन करने लगे।तकरीबन सात बजे सुबह घटना स्थल से लगभग डेढ किमी दूर पूरब दिशा में केरवा क्षेत्र स्थित नदी के बीचोबीच बालू के टीले पर शव उतराया हुआ मिला।जिसे लोगो द्वारा नाव के सहारे शव को बाहर निकाला और नदी किनारे लेकर पहुँचे।शव मिलने की जानकारी लोगो द्वारा चोपन पुलिस को दे दिया है।

ट्रेलर व ट्रक में टक्कर दो चालकों की मौत

मीरजापुर । हलिया के डूमंडगंज घाटी में बुधवार की रात ब्रेक फेल से ट्रेलर अनियंत्रित होकर ट्रक से भिड़ गया। इससे दोनों वाहन पलट गए। हादसे में ट्रेलर व ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। दोनों वाहन लोहे की पाइप व सीमेंट का चादर लादकर मीरजापुर आ रहे थे। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मध्यप्रदेश से लोहे की पाइप की लादकर एक ट्रेलर मीरजापुर आ रहा था। बुधवार की देर रात 30 वर्षीय चालक कुलदीप सिंह निवासी टाटीबांध रायपुर जनपद छत्तीगढ़ से ट्रेलर लेकर मीरजापुर-रीवा मार्ग के डूमंडगंज घाटी पर पहुंचे तभी ब्रेक फेल हो गया, इससे ट्रेलर आगे चल रहे ट्रक में टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रेलर चालक कुलदीप सिंह की मौत हो गई। टक्कर लगने के बाद ट्रक भी पलट गया। इससे ट्रक चालक 32 वर्षीय रूद्र प्रताप पटेल निवासी ब्यौहरा थाना रामपुर मध्यप्रदेश घायल गए। ट्रेलर पलटने के बाद उसपर लदे लोहे की पाइप चेन टूटने से डाले से छिटककर सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक के 28 वर्षीय चालक गिरधर प्रसाद कोल निवासी खोपर मैना लालगंज के ऊपर गिरा जिसके नीचे दबने से गिरधर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाइप हटाकर उसे बाहर निकालकर पीएचसी हलिया ले गई। यहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने चालक गिरधर प्रसाद को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इस हादसे के कारण मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए बाधित हो गया। पुलिस ने सड़क पर बिखरे पाइप व वाहन को हटवाकर कर यातायात चालू कराया।

सहायक अभियंता व ठेकेदार को नोटिस, निर्माण एजेंसी के खिलाफ होगा पत्राचार

सोनभद्र । जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने गुरुवार को राब?र्ट्सगंज पुनर्गठन पाइप पेयजल योजना के तहत धंधरौल बांध में स्थापित इंटेक टैंक का निरीक्षण किया। इस दौरान पेयजल योजना के लिए बिछाई गयी पाइप लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाइप को बालू, सीमेंट से जाम न करके पत्थर के टुकड़े डालकर जाम किया मिला। इसके अलावा निर्माण कार्य की प्रगति भी धीमी मिली। जिलाधिकारी ने संबंधित सहायक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने और निर्माण कार्य में नामित एजेंसी के खिलाफ उच्च स्तर पर पत्राचार किया जाने के साथ-साथ संबंधित ठेकेदार को भी नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने बेलाही पाइप पेयजल योजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। जिसमें पाइप पेयजल योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई। जिस पर जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य के लिए नामित एजेंसी को शीघ्र कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। कार्य के प्रगति के संबंध में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे को अवगत कराने के लिए कहा। कहा कि बेलाही पाइप पेयजल योजना से जुड़े गांवों के घरों में हर घर को नल से जल योजना के कनेक्शन देने का कार्य भी प्रारंभ कर दिया जाए। बेलाही पेयजल योजना से संबंधित परसौना कला गांव में निर्माणाधीन टंकी का भी जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टंकी का निर्माण कार्य बंद पाया गया। जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को फटकार लगाते हुए कहा कि टंकी का निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समय में पूरा किया जाए। अन्यथा इस कार्य में जिस स्तर पर शिथिलता पाई जायेगी। उन्होंने कहा कि हर घर को नल से जल योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत हर घर को नल से जल उपलब्ध कराया जाना है। इस कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय अवधि के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए।

डाला में शहीदों को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सैकड़ों लोगों ने लगाया हाईवे पर सांकेतिक जाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय डाला नगर पंचायत में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर सांकेतिक चक्काजाम कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री व सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में डाला गोलीकांड में मारे गए अमर शहीदों की 31वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को सैकड़ों लोगों ने वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर सांकेतिक चक्काजाम कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की वक्ताओं ने कहा कि यहां पर आज ही के दिन पुलिस की बर्बरता पूर्ण लाठीचार्ज व गोली से एक छात्र समेत नौ लोग शहीद हो गए थे उक्त सभी सीमेंट कर्मचारी हजारों लोगों के साथ उत्तर प्रदेश सीमेंट निगम की डाला चुनार चुर्क सीमेंट फैक्ट्री को प्राइवेट सेक्टर में सुबे की सरकार द्वारा बेचे जाने का विरोध कर रहे थे लिहाजा प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस ने आंदोलनकारियों पर डाला की धरती में 31 वर्ष पूर्व लाठी डंडा समेत गोली चलवा कर उनके आंदोलन को कुचल दिया ।यह गोलीकांड प्रदेश ही नहीं अपितु केंद्र सरकार को भी हिला देने वाली घटना थी इस गोलीकांड की याद आते ही यहां के हजारों नगरवासियों के रोंगटे खड़े हो जाते है देश भर में अपने हक के लिए संघर्षरत वीरगति को प्राप्त हुए कर्मचारियों के इतिहास में डाला सीमेंट कर्मचारियों के अमर शहीदों का नाम आज भी बड़ी श्रद्धा व गौरव से लिया जाता है उन्हीं की याद में प्रत्येक वर्ष 2 जून को शहीदों की पुण्यतिथि नगर वासियों द्वारा मनाई जाती है **हरि कीर्तन वह सुंदरकांड का हुआ पाठ** शहीद छात्र राकेश तिवारी के बड़े भाई ओमप्रकाश तिवारी ने सुबह नौ बजे दिन से गगनभेदी मंत्रोचार के साथ पूजा प्रारंभ कराया शहीदों की याद में सुबह से हरि कीर्तन पाठ व शाम को सुंदरकांड पाठ किया गया। गोली कांड के समयानुसार तीन बजकर बीस मिनट पर दो मिनट का सांकेतिक जाम किया गया इसके बाद शहीदों की स्मारक पर सबसे पहले शहीद परिवारों द्वारा माला फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संचालन वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र नीरव ने किया। सुरक्षा व्यवस्था में चोपन इंस्पेक्टर व डाला पुलिस मौजूद रहीं। **इन्होंने दी श्रद्धांजलि** राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे सदर विधायक भूपेश चौबे भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश द्विवेदी पूर्व

विधायक दुद्धी रूबी प्रसाद ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रानमती देवी अपना दल यस से आनंद पटेल दयालु अंजनी पटेल चंद्रशेखर सिंह कवि प्रभात सिंह चंदेल अनिकेत श्रीवास्तव मुकेश जैन रामजी दूबे नागेश्मणि पाठक धीरेंद्र प्रताप सिंह संतोष कुमार बबलू उत्तम मिश्रा रविंद्र देव पांडे संदीप सिंह विजय कुमार नूरहशन अहमद रजनिश पांडेय शहनवाज शाह राम अशीष तिवारी गायत्री तिवारी ओमप्रकाश तिवारी श्रीमती इंदु शर्मा शिव प्रकाश शुक्ला उर्फ धारे रामआसरे पटेल संतोष कुमार मिश्रा मनोहर सिंह आदि सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत चोपन थाना कृष्णावतार सिंह मनोज कुमार राय व पीएससी पुलिस बल महिला कांस्टेबल सहित डाला पुलिस मौजूद रही।

भारत के सी गेंदबाजी आक्रमण के सामने आस्ट्रेलिया की मजबूत टीम ने घुटने टेक दिए थेः वीवीएस लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2020 में आस्ट्रेलिया के दौरे पर अभूतपूर्व कामयाबी हासिल की थी। विदेशी दौरे पर लगातार दो बार सीरीज में जीत हासिल करने का कमाल पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री की कोचिंग में टीम ने किया था। भारत ने इस कामयाबी को विराट कोहली नहीं बल्कि अजिंक्य रहाणे की शानदार कप्तानी में हासिल की थी। भारत ने सीरीज में पिछड़ने के बाद 2-1 से जीत दर्ज करते हुए गाबा में इतिहास रचा था। भारत के ए गेंदबाजी आक्रमण के सामने आस्ट्रेलिया की मजबूत टीम ने घुटने टेक दिए थेः वीवीएस लक्ष्मण भारत की टीम ने आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराने का कमाल किया जो इतिहास के पनने में दर्ज हो गया। दोनों देशों के बीच खेली जाने वाली बार्डर गावस्कर ट्राफी के चार टेस्ट मैचों की सीरीज पर टीम इंडिया ने लगातार दो बार 2-1 से कब्जा जमाया। भारत ने पहली बार 2018-19 के दौरे पर जीत हासिल की और विराट कोहली आस्ट्रेलिया में आस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बने भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर एक सीरीज बनाई गई है जिसपर पूर्व भारतीय दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, हनुमा विहारी और आर अश्विन की सिडनी टेस्ट में साझेदारी और शार्दुल ठाकुर की वाशिंग्टन सुंदर के साथ निभाई गई साझेदारी बेमिसाल थी। इसके दम पर भारत की सी गेंदबाजी आक्रमण के साथ आस्ट्रेलिया की पूरी ताकतवर टीम को हराया वो भी गाबा में जाकर यकीनन बंदो में था दम।भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर एक सीरीज बनाई गई है जिसपर पूर्व भारतीय दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, हनुमा विहारी और आर अश्विन की सिडनी टेस्ट में साझेदारी और शार्दुल ठाकुर की वाशिंग्टन सुंदर के साथ निभाई गई साझेदारी बेमिसाल थी। इसके दम पर भारत की सी गेंदबाजी आक्रमण के साथ आस्ट्रेलिया की पूरी ताकतवर टीम को हराया वो भी गाबा में जाकर यकीनन बंदो में था दम।

शाकिब अल हसन को बनाया गया बांग्लादेश की टेस्ट टीम का कप्तान

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने टेस्ट कप्तान के नाम की घोषणा कर दी है। आलराउंडर शाकिब अल हसन को तीसरी बार टीम की यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार और खराब प्रदर्शन की वजह से मोमिनुल हक ने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया था। बोर्ड ने उनके इस फैसले को सम्मान देते हुए उनकी जगह पर नया कप्तान नियुक्त कर दिया है। बीसीबी ने टीम के अनुभवी खिलाड़ी और आलराउंडर शाकिब को एक बार फिर से टेस्ट टीम का कप्तान बनाने का फैसला लिया है। गुरुवार (2 जून) को बोर्ड ने इस बात की जानकारी सबके साथ साझा की। शाकिब टीम की कप्तानी संभालेंगे जबकि लिटन दास उप कप्तान होंगे। घर पर खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद टीम के कप्तान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद शाकिब का नाम सामने आ रहा था। वह टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं और उ?के पास कप्तानी का भी काफी तजुर्बा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के ध्यक्ष नजमुल हसन ने बताया, 'अगले आदेश तक शाकिब और लिटन अपने पद पर बने रहेंगे।'' शाकिब तीसरी बार बने टेस्ट कप्तान आइसीसी की तरफ से सट्टेबाजी के लिए संपर्क किए जाने की बात छुपाने की वजह से दो साल के लिए प्रतिबंध लगाए जाने की वजह से टेस्ट कप्तानी से हटाए गए शाकिब तीसरी बार टीम की कमान संभालेंगे। 35 साल के इस आलराउंडर को पहली बार 2009 में यह जिम्मेदारी दी गई थी। साल 2011 में जिम्बाब्वे की टीम के साथ खेली गई सीरीज में हार के बाद उनको कप्तानी से हटाया गया था। 6 साल बाद 2017 में वह दोबारा टेस्ट कप्तान बनाए गए थे।

लार्ड्स टेस्ट के पहले दिन गिरे 17 विकेट, न्यूजीलैंड 132 रन पर ढेर तो इंग्लैंड की हालत भी पहली पारी में खस्ती

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लाड्स के ऐतिहासिक मैदान पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। पहले मैच के पहले दिन ही गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी 132 रन पर सिमट गई तो इंग्लैंड ने भी 116 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। पहले दिन का खेल खत्म होने के वक्त मेजबान टीम 16 रन से पीछे चल रही थी। गुरुवार को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट की शुरुआत हुई। लाइस के मैदान पर खेले जा रहे इस मैच में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन टास जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। डेब्यू कर रहे इंग्लिश गेंदबाज मैथ्यू पाट्स और अनुभवी जेम्स एंडरसन की लाजवाब गेंदबाजी के आगे कीवी टीम महज 132 रन ही बना पाई। जवाब में पहली पारी में इंग्लैंड की टीम ने सधी शुरुआत की लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक वह मुश्किल में नजर आई।कीवी टीम पहली पारी में मैच के पहले दिन महज 132 रन तक पहुंच पाई। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम का टाप आर्डर बुरी तरह से फ्लाप रहा। टाम लेथम और विल यंग 1-1 रन बनाकर आउट हुए, कप्तान केन ने 2 रन बनाए तो डेवोन कान्वे 3 रन के आंकड़े तक ही पहुंच पाए। पहला टेस्ट मैच खेल रहे मैथ्यू ने 9.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए महज 13 रन दिए और 4 विकेट चटकाए। इंग्लिश टीम के सबसे अनुभवी गेंदबाज जेम्स एंडरसन का जलवा अब भी बरकरार है। उन्होंने 16 ओवर में 66 रन देकर चार विकेट चटकाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ 59 रन की अच्छी शुरुआत का फायदा मिडिल आर्डर बल्लेबाज नहीं उठा पाए। 92 रन पर टीम सिर्फ 2 विकेट गिरे थे और इसके बाद टीम का स्कोर 100 रन पर सात विकेट हो गया। जैक क्राउले 43 रन की पारी खेलकर आउट हुए इसके बाद टीम ने ओली पोप का विकेट गंवाया। पूर्व कप्तान जो रूट 11 रन बनाकर वापस लौटे और फिर टीम यहां से बिखर गई। 92 रन पर रूट का विकेट गिरा फिर 96 के स्कोर पर एलेक्स लीस आउट हुए। इसके ठीक बाद जब स्कोर 98 रन था तो कप्तान बेन स्टोक्स आउट हो गए। टीम के जब 100 रन पूरे हुए तो जानी बेयरस्टो और मैथ्यू पाट्स अपना विकेट गंवा बैठे।

अपने पहले ही ओवर में विलियमसन को आउट करने वाले कौन हैं डेब्यूटांट मैथ्यू पाट्स

नई दिल्ली। बेन स्टोक्स के नेतृत्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ लाड्स टेस्ट में इंग्लैंड टीम की तरफ से डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज मैथ्यू पाट्स ने अपने पहले ही ओवर में केन विलियमसन का विकेट लेकर साबित कर दिया कि उनको टीम में शामिल करने का फैसला टीम के लिए बिल्कुल सही है। पाट्स ने पहले ही ओवर में केन विलियमसन को विकेटकीपर फोक्स को हाथों कैच करवाया। उन्होंने केवल 2 रन बनाए। डरहम के तेज गेंदबाज पाट्स इंग्लैंड के लिए अंडर-19 भी खेल चुके हैं। उन्होंने 2017 में केंट के खिलाफ डरहम के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पाट्स नीचले क्रम में बल्लेबाजी करने में भी सक्षम हैं। 2019 में वो पहली बार सुर्खियों में आए जब उन्होंने एक सीजन में 17 विकेट लेकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 2022 में उन्होंने 6 फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 35 विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में डेब्यू कर रहे पाट्स ने पहले ही सेशन में 3 विकेट लेकर सनसनी मचा दी। उनके करियर के लिए खास बात यह है कि उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय विकेट की शुरुआत न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को आउट करके किया। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में उन्हें आउट किया। उसके बाद उन्होंने डैरिल मिचेल और टाम ब्लुंडल को आउट करके न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी। तीन मैचों की यह सीरीज इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रैंडन मैकुलम के लिए पहली परीक्षा है। मैकुलम ने सिल्वरवुड के पद छोड़ने के बाद और स्टोक्स ने जो रूट की कप्तानी छोड़ने के बाद जिम्मेदारी संभाली है। कप्तान के तौर पर सही साबित हुआ फैसला बतौर कप्तान बेन स्टोक्स स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन की टीम में वापसी चाहते थे। दोनों ने इस टेस्ट के माध्यम से एशेज के बाद वापसी की और पहले ही दिन एंडरसन ने स्टोक्स के फैसले को सही साबित कर दिया। इन दोनों की जोड़ी ने 5 विकेट हासिल किए।

पूर्व कप्तान बोले, कोहली 50 रन बनाते हैं फिर भी लगता है वो फेल हुए, तकनीक में कोई खराबी नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली इन दिनों खराब फार्म से गुजर रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में भी वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। टीम इंडिया को घर पर साउथ अफ्रीका के साथ सीरीज खेलनी है जिसके लिए उनको आराम दिया गया है। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का मानना है कि इस ब्रेक के बाद वह अच्छी वापसी करने में कामयाब होंग अजहर ने कहा, ठजब कोहली 50 रन बनाते हैं तो ऐसा लगता है मानो वह फेल हो गए है। यह बात सही है कि उन्होंने इस साल ज्यादा कुछ नहीं किया, हर एक खिलाड़ी यहां तक कि सबसे बेहतरीन भी अपने करियर में बुरे दौर से होकर गुजरता है। कोहली लगातार काफी क्रिकेट खेलते रहे हैं और अब उनको छोटा सा ब्रेक मिला है तो वह इंग्लैंड में अपने फार्म में वापस लौटेंगे।विराट के इंग्लैंड दौरे पर अच्छा करने की उम्मीद है, अजहर का मानना है कि उनकी रन ना बनाने के लिए उनकी तकनीक जिम्मेदारी नहीं है। एक अच्छी पारी के साथ ही कोहली अपने पुराने रंग में खेल दिखाते नजर आएंगे। यह सबकुछ उनकी एक बड़ी पारी पर निर्भर करता है। आने वाली सीरीज इस दिग्गज बल्लेबाज के लिए अहम साबित होने वाला है। अजहर ने कहा, ठकोहली की तकनीक में किसी भी तरह की कोई खराबी नहीं है, कभी कभी आपको थोड़े से भाग्य का साथ भी चाहिए होता है। एक बड़ी पारी या एक शतकीय पारी उनकी आक्रामकता को वापस ले आएगी और आपको वह एकदम से अलग खिलाड़ी नजर आएंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले अपनी तैयारियों पर बोले सिराज कप्तान रोहित की तारीफ की

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट से पहले भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। उन्होंने अपनी तैयारियों को लेकर कहा कि वो अपने ठकंसिसटेंसीठ को लेकर काम करना चाह रहे हैं। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच 1 जुलाई को खेलना है जिसको लेकर सिराज बहुत उत्साहित हैं। सितंबर 2021 को कोविड-19 का हवाला देते हुए आखिरी टेस्ट मैच को टाल दिया गया था। 1 जुलाई को होने वाले इस टेस्ट से पहले सिराज ने कहा है कि ठअभी, हमारे पास इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेलने से पहले कुछ समय है, इसलिए अभी के लिए, मैं अपने घर के पास के मैदान पर प्रशिक्षण ले रहा हूं और अपनी फिटनेस पर काम कर रहा हूं, क्योंकि टी20 से टेस्ट खेलना एक बड़ा बदलाव है। टेस्ट क्रिकेट में उन लंबे स्पेल को फेंकने के लिए, मुझे वास्तव में अपनी निरंतरता पर ध्यान देने की जरूरत है, और यह मेरा एकमात्र लक्ष्य होगा। इस दौरान मोहम्मद सिराज ने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित सभी खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति को समझते हैं। जब भी हम मुश्किल परिस्थितियों में होते हैं वो प्लान बी के साथ आते हैं और मदद करते हैं। वो गेंदबाजों को अच्छा करने के लिए मोटिवेट करते हैं। एक ऐसे कप्तान के नेतृत्व में खेलने का अनुभव शानदार रहा है जो आपको अच्छे से समझते हैं 5वें टेस्ट से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है जिसकी शुरुआत 9 जून से हो रही है। भारत अब तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं जीत पाया है। इस सीरीज में उनके पास पहली जीत दर्ज करने का मौका है। आइपीएल में सिराज के प्रदर्शन की बात करें तो उन्हें टीम ने आक्शन में 7 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। 15 मैच खेलने के बाद सिराज ने केवल 9 विकेट लिए और 514 रन खर्च किए।

IPL में चोटिल हुए इस सीनियर खिलाड़ी को 5 से 6 हफ्ते लगेंगे फिट होने म

मुंबई। भारत की टेस्ट टीम के खराब फार्म की वजह से बाहर किए गए अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के वापसी की राह थोड़ी और मुश्किल हो गई है। चोट की वजह से अगले लगभग दो महीने तक उनको क्रिकेट के मैदान से दूर रहना होगा। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलते हुए वह चोटिल हो गए थे। सीजन से बाहर होने के बाद अब उनको 5 से 6 हफ्ते तक रिहैब से होकर गुजरना होगा। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा कि उन्हें इस साल आइपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलने के दौरान पैर की मांसपेशियों में लगी चोट से पूरी तरह उबरने में कम से कम छह से आठ सप्ताह का समय लगेगा। रहाणे को केकेआर के 13वें लीग मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद वह बाकी बचे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। रहाणे ने कहा, 'यह (चोट लगना) दुर्भाग्यशाली था, लेकिन मेरा रिहैबिलिटेशन अच्छा चल रहा है। मैं अच्छी तरह उबर रहा हूं। मैं लगभग 10 दिन तक बेंगलुरु (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रहा और रिहैबिलिटेशन एवं चोट से उबरने के लिए मैं दोबारा वहां जा रहा हूं। अभी मेरा पूरा ध्यान सिर्फ बेहतर होने पर है। मुझे नहीं पता कि मैं कब तक पूरी तरह फिट हो पाऊंगा, इसमें छह से आठ सप्ताह लगने की उम्मीद है, लेकिन इस समय मैं एक बार में एक दिन, एक बार में एक सप्ताह पर ध्यान दे रहा हूं।श्रीलंका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में खराब फार्म की वजह से फरवरी में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को चयकर्ताओं ने टीम से बाहर कर दिया था। पुजारा ने काउंटी क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी करने में कामयाबी पाई। इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई टीम में जहां भारत को एक मात्र टेस्ट मैच खेलना है ।

रिद्धिमान साहा बोले, दुख होता है जब कोई आपकी ईमानदारी पर सवाल उठाता है.....

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा पिछले दिनों विवादों में घिरे नजर आए। एक पत्रकार द्वारा उनको भेजे गए धमकी भरे मैसेज की बात उन्होंने सामने रखी थी जिसके बाद बीसीसीआइ ने इस मामले में जांच की। जांच के बाद बोर्ड ने पत्रकार को साहा को धमकाने का दोषी पाया और उनपर दो साल का प्रतिबंध लगाया। साहा ने इस मामले के बाद अब बंगाल रणजी टीम को छोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने इस बात को साफ किया है कि वह राज्य की तरफ से नहीं खेलेंगे। साहा जिन्होंने साल 2007 में बंगाल की तरफ से फर्स्टक्लास डेब्यू किया था उन्होंने कहा कि 15 साल तक इस राज्य के लिए खेलने के बाद ऐसा फैसला करना बेहद दुख पहुंचाने वाला था। दुनिया के बेहतरीन विकेटकीपर में गिने जाने वाले साहा ने कहा कि जब आपकी ईमानदारी पर सवाल उठाया जाता है तो बहुत ही ज्यादा दुख पहुंचता है। साहा बोले, ठमेरे लिए भी यह बहुत ही दुखी करने वाला एहसास था कि बंगाल की तरफ से इतने साल खेलने के बाद मुझे ऐसे किसी चीज से होकर गुजरना पड़ा। यह बेहद चोट पहुंचाने वाला होता है कि लोग इस तरह के कमेंट करते हैं और आपकी ईमानदारी पर सवाल उठाते हैं। एक खिलाड़ी के दौर पर मैंने इससे पहले कभी भी ऐसी किसी चीज का सामना नहीं किया था लेकिन अब जबकि यह हो गया है तो मुझे आगे बढ़ना ही होगा। अब जबकि मैंने अपना मन बना लिया है कि बंगाल की तरफ से नहीं खेलूंगा, मैंने फोन पर क्रिकेट एसोसिएशन आफ बंगाल के अध्यक्ष अविशेक डालमिया को बताया दिया है। लेकिन मैं उनसे खुद जाकर मिलुंगा और इस प्रक्रिया का पूरा करुंगा।

राशिफल

मेष-: आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।

वृष-: आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।

मिथुन-: परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।

सिंह-: आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या-: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

वृश्चिक-: आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।

धनु-: आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।

मकर-: आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कुंभ-: आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।

मीन-: आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

देश की जनता पुलिस एवं प्रशासनिक सुधारों के साथ न्यायिक क्षेत्र में भी सुधारों की कर रही प्रतीक्षा

इन दिनों वे प्रतिभाशाली अभ्यर्थी चर्चा के केंद्र में है, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। उनकी उपलब्धि को तो रेखांकित किया ही जा रहा है, यह भी बताया जा रहा है कि प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वे समाज और देश के लिए क्या करने की आकांक्षा रखते हैं? चूंकि इस बार प्रथम तीन स्थान लड़कियों ने हासिल किए है, इसलिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह वास्तव में एक उपलब्धि है भी। भारत में सिविल सेवा परीक्षा सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती है और उसमें प्रतिभासंपन्न छात्र-छात्राएं ही सफल हो पाते है। आज जब चहुंओर इन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की चर्चा हो रही है, तब हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि अभी कल तक झारखंड की वरिष्ठ आइएएस पूजा सिंघल खबरों में छाई थीं। पूजा सिंघल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप है। इन आरोपों के अनुसार उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार के यहां से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की छापेमारी के दौरान लगभग 20 करोड़ रुपये की नकद धनराशि बरामद की गई। ईडी ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पूजा सिंघल पर लगे आरोपों की सूची खासी लंबी है। ये आरोप कितने सही है या गलत, इसके लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि जब तक अदालतें अपना फैसला नहीं सुना देतीं तब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते। पूजा सिंघल 2000 बैच की आइएएस है। उन्होंने महज 21 साल में सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल की थी। कम उम्र में आइएएस बनने के कारण उनका नाम लिम्का बुक आफ रिकार्ड्स में दर्ज किया गया था। पूजा सिंघल अपवाद नहीं है। रह-रहकर ऐसे भ्रष्ट अफसर सीबीआइ अथवा ईडी के शिकंजे में आते ही रहते है, जिन पर करोड़ों की काली कमाई करने के आरोप लगते है। अतीत में भी प्रशासनिक, पुलिस, राजस्व सेवा आदि के ऐसे अफसर भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए, जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी। इन अफसरों के मामले यही बताते है कि नौकरशाही के भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगी है। इसी तरह नेताओं के भ्रष्टाचार पर भी लगाम नहीं लगी है। इन दिनों न जाने कितने नेताओं के खिलाफ ईडी अथवा सीबीआइ की जांच जारी है। आम तौर पर इन नेताओं की ओर से यही कहा जाता है कि उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन यह मान लेना सही नहीं होगा कि जो यह कह रहे है, वे सब दूध के धुले है और उन पर लगे आरोपों में कहीं कोई दम नहीं। ध्यान रहे कि जिन नेताओं को उनके भ्रष्टाचार के लिए अदालतें सजा सुना चुकी है, वे भी यही कहते है कि उन्हें गलत फंसाया गया। अब तो स्थिति यह है कि भ्रष्टाचार में सजा पाए और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे नेताओं का खुलकर बचाव किया जा रहा है। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में है, लेकिन उनसे इस्तीफा मांगने की कोई जरूरत नहीं समझी जा रही है। कुल मिलाकर यह एक कड़वी सच्चाई है कि नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी लगाम नहीं लग सकी है। कई बार तो नेता और नौकरशाह मिलकर भ्रष्टाचार करते है। इस सिलसिले में पूजा सिंघल का मामला गौर करने लायक है। उन पर पहले भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। उनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई, लेकिन फिर उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। यह सही है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार पर एक बड़ी हद तक लगाम लगी है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि निचले स्तर के भ्रष्टाचार पर भी ऐसा ही हुआ हैं। अब जब मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के आठ साल पूरे कर लिए हैं, तब फिर उसे इस पर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देना ही होगा कि नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर प्रभावी लगाम कैसे लगे मोदी सरकार ने बीते आठ वर्षों में अपनी कार्यशैली से देश की दशा-दिशा बदली है, लेकिन उसने पुलिस सुधारों की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। निःसंदेह कानून एवं व्यवस्था राज्यों का विषय है, लेकिन भाजपा शासित सरकारें तो पुलिस सुधार के मामले में मिसाल कायम कर ही सकती हैं- जैसे उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है। यह ठीक है कि पुलिस का आधुनिकीकरण हो रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के उन दिशा-निर्देशों पर अभी सही तरह से अमल नहीं हो सका है, जो उसने वर्षों पहले दिए थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम को तेज करते हुए मोदी सरकार को वोहरा कमेटी की सिफारिशों को अंजाम तक पहुंचाना चाहिए

इस देश के एक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री कहा करते थे कि 'फर्स्ट फैमिली को कभी टच नहीं किया जाना चाहिए।' इसी तरह की बातें कई राज्यों में भी कही जाती थीं। अधिकतर राजनीतिक दल सत्ता में होते थे तो वे प्रतिपक्षी दलों के गुनाहों को आमतौर पर नजरअंदाज कर देते थे। तब माफी आम बात थी और सजा अपवाद। यह सिलसिला लंबे समय तक चला। वर्ष 2014 के बाद स्थिति बदल चुकी है। इसलिए गैर राजग दलों के अनेक नेतागण इन दिनों बड़ी कानूनी परेशानियां डोल रहे है, क्योंकि उन्हें अपने बचाव का कोई उपाय नजर नहीं आ रहा है। अब माफी अपवाद

है और सजा नियम। ऐसे में विरोधी नेताओं की जुबान तीखी होती जा रही है। मोदी की आलोचना करते-करते वे कभी देश की तो कभी संवैधानिक शासन व्यवस्था की ही आलोचना करने लगते है। दरअसल देश भ्रष्टाचार के प्रति सहनशीलता के दौर से निकल कर अब लगभग शून्य सहनशीलता के दौर में प्रवेश कर चुका है। दुख की बात है कि देश में घोटालेबाजों को प्रोत्साहन देने की परंपरा आजादी के तत्काल बाद ही पड़ गई थी। वीके कृष्ण मेनन पर 1949 में जीप घोटाले का गंभीर आरोप लगा। जांच कमेटी ने उन्हें सरसरी तौर पर दोषी माना। इसके बावजूद तत्कालीन केंद्र सरकार ने 30 सितंबर, 1955 को संसद में यह घोषणा कर दी कि जीप घोटाले के मामले को बंद कर दिया गया है। हद तो तब हो गई जब फरवरी, 1956 को कृष्ण मेनन केंद्रीय मंत्री बना दिए गए। जीप घोटाला पिछली सदी के अंतिम दशक के यूरिया घोटाला के समान ही था। जीप घोटाले के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को सजा मिली होती तो शायद यूरिया घोटाला करने की हिम्मत इस देश में किसी को नहीं होती। एक घोटाले को नजरअंदाज करने के कारण दूसरे घोटाले होते गए। हर अगला घोटाला पिछले घोटाले से बड़ा होता रहा। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से एक बार जब यह कहा गया कि 'आपके मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों के खिलाफ शिकायतें आ रही है। इसे देखते हुए कोई ऐसी एजेंसी बना दें, जो मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करे।' इस पर नेहरू का जवाब था कि इससे हमारे मंत्रियों में डर बैठ जाएगा। हालांकि एक बार उन्होंने यह भी कहा था कि भ्रष्टाचारियों को नजदीक के लैंप पोस्ट से लटका दिया जाना चाहिए, पर यह बात सिर्फ भाषण तक ही रह गई। उन्हीं दिनों राज्यों में भी भ्रष्टाचार ने सिर उठाना शुरू कर दिया था। शिकायत मिलने पर महात्मा गांधी ने बिहार के एक मंत्री को हटाने की सलाह दी, पर वह नहीं मानी गई। सरदार पटेल ने आंध्र के एक बड़े नेता को लिखा कि आपने जो थैलियां वसूली है, उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंप दीजिए। इसके बावजूद उस नेता को मुख्यमंत्री बना दिया गया। जब भ्रष्टाचारियों को यह संदेश गया कि भ्रष्टाचार कम खतरे और अधिक मुनाफे का धंधा है तो फिर वे बेलगाम होने ही थे। जीप घोटाले के बाद भी नेहरू शासन काल में कई छोटे-बड़े घोटाले हुए। किसी को भी सजा मिली, ऐसा किसी को याद नहीं है 1955 में सिंचाई के मद में तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्यों को कुल 29 हजार करोड़ रुपये दिए। इसमें से एक बड़ी राशि पंजाब को मिली। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों ने उन पैसों से सिंचाई क्षमता का निर्माण अवश्य किया, पर उसमें भारी कमीशनबाजी भी हुई। यह भी नेहरू युग की बात है। कैरों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच हुई। जांच रिपोर्ट में यह अजीब बात कही गई कि कैरों के पुत्र एवं पतने ने पैसे जरूर बनाए, पर उसके लिए कैरों जिम्मेदार नहीं है। इसी तरह बिहार में छह कांग्रेसी मंत्रियों के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए 1967 में अय्यर आयोग बना। उसने सभी के खिलाफ कोई न कोई आरोप सही पाया, पर किसी नेता को सजा नहीं मिली। यदि तब भ्रष्ट तत्वों को सजा मिल गई होती तो अन्य भ्रष्टाचारी डरते राष्ट्रीय स्तर पर 1971 के बाद भ्रष्टाचार ने देश में संस्थागत रूप ग्रहण कर लिया। खुद पर भ्रष्टाचार के आरोपों के जवाब में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'भ्रष्टाचार तो दुनिया भर में है। सिर्फ भारत में ही नहीं है।' पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी कहा था कि केंद्र सरकार के सौ पैसे में से सिर्फ 15 पैसे ही उन तक पहुंच पाते हैं, जिनके लिए वे पैसे दिल्ली से भेजे जाते है। हालांकि आज यह स्थिति बदली नजर आ रही है। अब योजनाओं का पूरा पैसा लाभार्थियों को मिल रहा है। अब घोटालेबाज जान रहे है कि उन्हें कोई बचाने वाला नहीं है। सजाएं मिलनी शुरू हो गई है। बड़े-बड़े नेता जमानत पर है। किसी से ईडी पूछताछ कर रही है तो किसी से सीबीआइ। ऐसे नेताओं में प्रथम परिवार कहे जाने वाले परिवार के नेता भी शामिल हैं मोदी राज में अब कोई छूट मिलने की उम्मीद जाती रही। मोदी सरकार को एक और काम करना चाहिए। उसे वोहरा कमेटी की सिफारिशों को तार्किक परिणति तक पहुंचाना चाहिए। उसने अक्टूबर, 1993 को तत्कालीन केंद्र सरकार को प्रेषित अपनी रिपोर्ट में कहा था, 'देश में अपराधियों, नेताओं और नौकरशाहों के साथ अन्य प्रभावशाली लोगों का एक गठजोड़ बन गया है। इस कारण वे बिना दंडित हुए अपनी गतिविधियां चलाते हैं।' मोदी सरकार का मौजूदा कार्यकाल पूरा होने में अभी लगभग दो साल बाकी है। इसके साथ ही 2024 के आम चुनाव में उनके ही प्रधानमंत्री बनने के संकेत है। इसलिए मोदी सरकार को वोहरा कमेटी की रिपोर्ट पर काम करना चाहिए।

राजद्रोह से जुड़ी ध्झ्ण् की धारा 124 ए को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ याचिकाओं को लेकर किया हस्तक्षेप.....

राजद्रोह से जुड़ी भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हाल में कुछ याचिकाओं को लेकर हस्तक्षेप किया। उनमें इस धारा की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। यह मानवाधिकार और न्यायिक शास्त्र के प्रगतिशील विस्तार में परिवर्तनकारी पड़ाव है। हाल के दौर में कई मामलों में इस पुराने औपनिवेशिक कानून का अनावश्यक इस्तेमाल हुआ है। इसने नागरिकों के अधिकारों और विधि की निर्धारित प्रक्रिया का मखौल उड़ाया है। इससे लोगों की प्रतिष्ठा

एवं गरिमा पर आघात हुआ है। काटरूनिस्ट, पत्रकार, एक्टिविस्ट, बुद्धिजीवी, छात्रों और नेताओं को अपनी धारणाओं एवं मान्यताओं को लेकर लंबे समय तक इसके कारण दमनकारी उत्पीड़न एवं आपराधिक अभियोग डोलने पड़े बीते दिनों महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, आंध्र और मध्य प्रदेश में राजनीतिक विरोधियों एवं अन्य लोगों पर राजद्रोह का अभियोग यही बताता है कि राजद्रोह कानून का दुरुपयोग अब कोई नई-अनोखी बात नहीं है। यह एक ऐसा मानदंड बन गया है, जिसने मूल अधिकारों की संवैधानिक गारंटी को खोखला कर दिया है। इसने लोगों के समक्ष जोखिम बढ़ा दिया है। इससे राष्ट्रीय संवेदनाओं पर इतना आघात होता दिख रहा है, जैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। इस संदर्भ में 11 मई को आए सुप्रीम कोर्ट के निणय को व्यापक रूप से न्यायिक स्टेट्समैनशिप के रूप में देखा जाना चाहिए। राजद्रोह कानून की समीक्षा को लेकर केंद्र सरकार के संशोधित शपथपत्र से मिली गुंजाइश को देखते हुए अदालत ने सुनवाई को कुछ समय के लिए टालने के अनुरोध को स्वीकार तो किया, लेकिन इस मामले में अंतरिम निर्देश भी जारी किए। इससे लोगों को तात्कालिक राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक इस मामले में अंतिम निणय नहीं आ जाता, तब तक केंद्र और राज्य सरकारें इसके अंतर्गत कोई नया मामला न दर्ज करें। देखा जाए तो न्यायिक इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने किसी आपराधिक कानून को असंवैधानिक करार दिए बिना ही उस पर एक तरह से रोक लगा दी। हालांकि उसके निर्देश 'प्रथम-दृष्टया' आधार पर अभिव्यक्त हुए हैं, जो इसका संकेत है कि उसका अंतिम निणय किस दिशा में हो सकता है? यह एक मिसाल है, जहां अदालत ने विधायिका की विधि निर्माण की शक्ति या नीतिगत निणयों पर कार्यपालिका के नियंत्रण की रेखा का उल्लंघन किए बिना नागरिकों को एक सख्त कानून से संरक्षण प्रदान किया। संविधान की उदारवादी चेतना के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकते हुए सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में जन अपेक्षाओं पर खरा उतरा है चूंकि प्रत्येक निणय की एक स्वतः स्फूर्त शक्ति होती है और भविष्य में समान प्रकृति के मामलों पर भी उसका प्रभाव होता है, इसलिए शीर्ष अदालत से यही अपेक्षा की जा सकती है कि वह एक उद्देश्यपूर्ण प्रवर्तन सुनिश्चित करे, जिसमें मानवाधिकारों की पवित्रता की पुष्टि हो। उसके निणयों में इस दायित्व की निरंतर स्वीकार्यता भी प्रत्यक्ष साबित हुई है। बरदाकांता मिश्र (1974), नागराज (2006), शायरा बानू (2017) और बृजेंद्र सिंह (2016) आदि मामले इसकी मिसाल हैं। जब समग्र क्षेत्रधिकार से जुड़े मामलों की बात आए तो सुप्रीम कोर्ट को यह देखना होगा कि सरकार उसके सुझावों-आदेशों पर क्या कर रही है, विशेषकर जब ऐसे मामले नागरिकों के उन मूल अधिकारों से जुड़े हों, जिन्हें लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट राजद्रोह कानून के साथ ही सरकार को एक एंटी-लिंचिंग मानवीय कानून बनाने के लिए भी प्रेरित कर सकता है, जैसा कि तहसीन पूनावाला (2018) मामले में सुझाव आया था। इसी प्रकार हिरासत में प्रताड़ना के विरुद्ध भी एक कानून बनाने की पहल हो सकती है। एक ऐसे समय में जब राष्ट्र वास्तविक उदारवाद एवं उदारवादी लोकतंत्र होने की आकांक्षा की पूर्ति के प्रयास में लगा है, तब हिरासत में यातनाओं का अभिशाप कायम है। ऐसी प्रताड़ना के विरुद्ध एक राष्ट्रीय अभियान की रिपोर्ट के अनुसार केवल 2019 में ही हिरासत में यातना से 1,731 लोगों की मौत हो गई। ऐसी यातना से संरक्षण प्रदान करने वाले किसी कानून की अनुपस्थिति आपराधिक न्याय तंत्र के ढांचे की कलई खोलने वाली है। यह अनुच्छेद 21 में उल्लिखित प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण को भी संबोधित करता है। इस मामले में राज्यसभा की प्रवर समिति (2010), विधि आयोग (2017), मानवाधिकार आयोग और अदालती आदेश उल्लेखनीय है। इसी प्रकार अदालत से अपेक्षा है कि वह यूएपीए और उन आपराधिक कानूनों का शिकंजा ढीला करने में उचित हस्तक्षेप करे, जिनका लोगों की नागरिक स्वतंत्रता एवं अधिकारों के मामले में निरंतर दुरुपयोग हो रहा है। दुरुपयोग के ये मामले राष्ट्र की अंतरात्मा पर अमिट रूप से अंकित हो गए हैं। राज्य के एक अंग के रूप में सवीच्च न्यायालय का क्षेत्रधिकार स्पष्ट रूप से अपने घोषित कानून (नागराज, 2006) के अनुरूप है कि राज्य (न्यायालय भी जिसका एक अभिन्न अंग है) का कर्तव्य न केवल व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करना है, अपितु वह उन्हें प्रदान करने के दायित्व से भी बंधा हुआ है यह एक उचित अवसर एवं महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि सरकार राष्ट्र के कानूनी ढांचे की समीक्षा कर रही है। जिन सुझावों की चर्चा की गई है, वे देश के लोकतांत्रिक स्वरूप को और निखारने का काम करेंगे और इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संवाद-सक्रियता में भी देश की साफ्ट पावर बढ़ेगी। न्यायालय द्वारा अभिप्रेरित पहल नई आकार लेती विश्व व्यवस्था में भी देश की प्रमुख भूमिका को मान्यता प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री का यह कदम सराहनीय है कि उन्होंने भारत सरीखे स्वतंत्र देश पर धब्बा लगा रहे राजद्रोह कानून की समीक्षा करने की बात कही है।

अदालतें ही तय करती हैं कि लक्ष्मण रेखा क्या है और कब उसका उलंघन किया गया

पिछले दिनों दिल्ली में मुख्यमंत्रियों और मुख्य न्यायाधीशों के 39 वें सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा भी शामिल हुए। इससे पहले इस तरह का सम्मेलन अप्रैल, 2016 को आयोजित हुआ था। लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस सम्मलेन में कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें

से एक महत्वपूर्ण मुद्दा था भारत की स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने के समय संघीय कार्यपालिका और उच्चतर न्यायपालिका के बीच रिश्तों का आकलन। विधायिका और कार्यपालिका के बीच संबंधों के बारे यह मान्यता है कि कार्यपालिका संसद द्वारा पारित किसी कानून के विरुद्ध कोई कदम नहीं उठा सकती। अनुच्छेद 256 यह व्यवस्था देता है। न्यायाधीशों की नियुक्ति संघीय कार्यपालिका या कहें कि राष्ट्रपति द्वारा ही होती है। संघीय कार्यपालिका संवैधानिक दायित्व निर्वहन से बंधी है और उसे उच्चतर न्यायपालिका के फैसले को मानना ही होगा। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि सुप्रीम कोर्ट देश का सवीच्च अपीलीय न्यायालय होने के साथ ही एक संवैधानिक अदालत भी है। अमूमन संवैधानिक लोकतांत्रिक देशों में सवीच्च संघीय अपीलीय अदालत और संवैधानिक न्यायालय अलग-अलग होते हैं। अपीलीय अदालतें विधायिका द्वारा पारित कानून को न तो खारिज कर सकती हैं और न उसे निष्प्रभावी बना सकती है। वहीं संवैधानिक अदालत ऐसा कर सकती है। इसीलिए उसे 'संविधान की रक्षा' भी कहा जाता है। यहां अनुच्छेद 50 का उल्लेख भी आवश्यक है, जो लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करने में राज्य की भूमिका को रेखांकित करता है। भारत में यह प्रश्न बार-बार उठता है कि सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्तियां लोक सेवा के दायरे में आएंगी या नहीं? वास्तव में जजों की नियुक्ति का मसला ऐसा है, जिसने पिछले कुछ अर्से से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। अनुच्छेद-124 के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति होती है। इस अनुच्छेद का सरोकार मुख्य रूप से तीन संस्थानों से है। एक सुप्रीम कोर्ट, दूसरा सुप्रीम कोर्ट के जज और तीसरे भारत के मुख्य न्यायाधीश यानी सीजेआइ। साथ ही यह न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी निर्धारित करता है। इसमें एक प्रक्रिया न्यायाधीशों के लिए है तो दूसरी मुख्य न्यायाधीश के लिए। मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के मुद्दे पर कोई पेच नहीं, क्योंकि उसमें वरिष्ठता के क्रम का ही ध्यान रखा जाता है। टकराव अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर होता है। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि अनुच्छेद 124 का संबंध न्यायाधीशों की चयन प्रक्रिया से न होकर, उनकी नियुक्ति से है। असल में नियुक्ति और चयन दो अलग-अलग पहलू हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति के लिए मुख्य न्यायाधीश से परामर्श आवश्यक है। राष्ट्रपति चाहें तो वह हाई कोर्ट के न्यायाधीशों से भी मंत्रणा कर सकते हैं। एसपी गुप्ता (1980) के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक नियुक्तियों और स्थानांतरण से जुड़ी प्रक्रिया को परखा एवं उसकी पड़ताल की।

संपूर्ण सत्य से साक्षात्कार ही युवा मुसलमानों को उन्हें कष्ट देने वाली विरासत से मुक्ति दिलाएगा

काशी, मथुरा, अयोध्या, सोमनाथ, नालंदा और मुल्तान आदि असंख्य महान हिंदू स्थानों पर सदियों क्या होता रहा, इस पर 'साक्ष्यों' की माथापच्ची व्यर्थ है। यह मूल प्रश्न छोड़कर गौण बिंदुओं पर सिर पटकना है। उससे कुछ तय नहीं होता, बल्कि उससे सेक्युलर-वामपंथी नेताओं, बौद्धिकों की बन आती है। वे बाल की खाल निकालते हैं। उनका उद्देश्य मामले को जस का तस छोड़े रखना है। उन्हें सत्ताधारियों का भी सहयोग मिलता है, जो कठिन कार्य टालते हैं। साक्ष्यों की बहस मुख्यतः सच छुपाओ, झूठ बताओ का अभ्यास हो जाती है। सीताराम गोयल की पुस्तक 'भारत में इस्लामी साम्राज्य की कहानी' में इसके अनेक प्रमाण हैं। उदाहरणार्थ अपने हिंदू दरबारियों के दो-तीन मंदिरों को औरंगजेब द्वारा दिए गए मामूली अनुदान खूब उछाले जाते हैं, किंतु उसके लंबे शासन काल में असंख्य मंदिरों के विध्वंस और उन्हें अपवित्र करने का उल्लेख छिपाया जाता है। सदियों के इतिहास मूल्यांकन में सद्भाव की राई को दुर्भाव के पर्वत के सामने खड़ा कर संतुलित करने का छल होता है। इतिहास के दो उदाहरण देखिए। प्रसिद्ध फारसी पुस्तक 'तारीखे-वसाफ' ने 13वीं शताब्दी में भारत का यह हाल दर्ज किया था, 'मुहम्मदी फौजों ने इस्लाम के लिए उस नापाक जमीन पर बाएं-दाएं, बिना कोई मुरव्वत मारना, कत्ल करना शुरू किया और खून के फव्वारे छूटने लगे। उन्होंने इस पैमाने पर सोना-चांदी, जवाहरात और तरह-तरह के कपड़े लूटे, जिसकी कल्पना नहीं हो सकती। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लड़कियों और बच्चों को कब्जे में लिया कि कलम उसका वर्णन नहीं कर सकती। मुहम्मदी फौजों ने देश को बिल्कुल ध्वस्त कर दिया। यहां के बाशिंदों की जिंदगी तबाह कर दी। सोमनाथ समेत अनेक मंदिर उजाड़ दिए, देव मूर्तियां तोड़कर पैरों के नीचे रौंदी गईं, ताकि लोग याद रखें और इस शानदार जीत की चर्चा करें..। इस्लामी राज का हिंदुओं द्वारा दिया अपना विवरण बहुत कम मिलता है, किंतु जो मिलता है, उससे मुस्लिम इतिहासकारों की पुष्टि होती है। 14वीं शताब्दी में विजयनगर के कुमार कंपण की पत्नी गंगा देवी ने अपने 'मधुरविजयम' में मदुरई के बारे में लिखा है, 'हर दिन हिंदुओं के धर्म को अपवित्र किया जाता है। वे भगवान की मूर्ति तोड़ देते है और पवित्र ग्रंथों को आग में झोंक देते हैं। पूजा कर रहे हिंदुओं पर मुंह से पानी फेंकते है और हिंदू संतों को ऐसे परेशान करते हैं मानो वे सारे पागल हों।यह सब मुल्तान से लेकर मदुरई तक सदियों से होता रहा और आज भी होता मिल जाता है। तमाम इस्लामी शासकों ने ऐसा क्यों किया? इसका उत्तर मुस्लिम इतिहासकारों द्वारा ठसक से दिया गया है। उन्होंने अपने नायकों को इस्लाम के शानदार प्रतिनिधियों के रूप में ही चित्रित किया। तब ऐसी कल्पना नहीं थी कि यहां इस्लामी साम्राज्यवाद अतीत की कष्टकर स्मृति बन जाएगा और इस्लाम के रिकार्ड को कभी मानवीय मूल्यों के पैमाने से भी देखा जाएगा। उनके पास केवल इस्लामी निर्देशों का पैमाना था। सो, मुस्लिम इतिहासकारों ने ईमानदारी से लिखा था कि मध्यकालीन मुस्लिम शासक इस्लाम के निर्देशों का पालन कर रहे थे, जब उन्होंने नरसंहार किए, गुलाम बनाया और स्त्रियों और बच्चों के साथ दुष्कर्म किया। यह केवल भारत ही नहीं, स्पेन, ग्रीस,

यूगोस्लाविया, साइप्रस और जाजिर्या आदि हर उस जगह हुआ जहां इस्लामिक हमलावर पहुंचे। इन हमलावरों का इतिहास चाहे मुस्लिम इतिहासकारों ने लिखा हो या यूरोपीय ईसाइयों ने, उसमें यही विवरण मिलता है कि जिस भी देश में इस्लाम ने निष्कंटक सत्ता पा ली, वहां किसी गैर-मुस्लिम समूह को बचने न दिया। यहूदियों, ईसाइयों का उनके अपने ही जन्मस्थान में सदियों तक उत्पीड? किया गया और फिर कई स्थानों से भगा दिया गया। जहां ईसाई अल्पसंख्यक किसी तरह बचे भी, जैसे मिस्र और लेबनान में, वे जिहाद की नई लहर के हाथों बेहद कठिन स्थितियां झेल रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं का विनाश अपने तरह की एक खौफनाक विभीषिका है। इतिहासकार रमेश चंद्र मजूमदार ने लिखा है, 'लोकप्रिय या राष्ट्रीय परंपराएं, विचार और संस्थाएं, जो जीवन के गहरे तारों को छूती हैं, उसे एक विशिष्ट रूप, स्वर और ऊर्जा प्रदान करती हैं, उनमें कोई सामंजस्य नहीं बना। इसलिए दोनों बड़े समुदाय, जो साथ-साथ जीते रहे, अपने-अपने दायरे में ही घूमते रहे और इसका कोई चिन्ह न था कि दोनों कभी मिल पाएंगे। मुस्लिम शासकों ने मंदिरों और मूर्तियों को निर्ममतापूर्वक तोड़ते रहने का अपना जोश कभी कम नहीं किया और इस मामले में उनका रवैया भारत की धरती पर मुहम्मद बिन कासिम के पैर रखने से लेकर 18वीं सदी तक अपरिवर्तित रहा। प्रो. मजूमदार द्वारा यह सब लिखे हुए भी छह दशक बीत चुके हैं। इस बीच केरल से लेकर कश्मीर और लेबनान से लेकर बांग्लादेश तक वही दृश्य बार-बार दोहराया जा रहा है। कहीं शांति अस्थायी होती है और किसी बहाने फिर वही कहानी शुरू हो जाती है। तब उपाय क्या है? सच्चे इतिहास ज्ञान का व्यापक प्रसार ही अचूक औषधि है, क्योंकि आम मुसलमानों को भी उनके नेता भ्रम में रखकर ही चलाते रहे हैं। बड़ी संख्या में मुसलमान भी इस्लामी मतवाद और उसके इतिहास से अनजान हैं। अतः एक स्वस्थ और मानवीय शिक्षा व्यवस्था अपने लोगों और मुस्लिम समाज के युवाओं के समक्ष तमाम तथ्यों को रखें। उन्हें इस सच से अवगत कराएं कि मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों के अनुसार उपरोक्त सभी काम यहां के मुस्लिम शासकों और मजहबी नेताओं ने किए हैं। यही काम उन दूसरे देशों में भी किए गए, जहां-जहां इस्लामी फौजें गईं और अपना कब्जा किया। ये सभी काम सुनन, शरीयत आदि में निरूपित इस्लामी सिद्धांतों से मेल खाते हैं। इन सबका मूल्यांकन स्वाभाविक मानवीय विवेक, सहज नैतिक समझ और भाईचारे के प्राथमिक सिद्धांतों से होनी चाहिए। इसका असर होगा, क्योंकि मुस्लिम समुदाय के युवाओं में भी सहज मानवीय स्वभाव की बुद्धि, चेतना और नैतिकता उतनी ही है, जितनी किसी अन्य समुदाय के युवा लड़के-लड़कियों में। सीताराम गोयल, बिल वार्नर, कपिल कपूर जैसे विद्वानों के अनुसार संपूर्ण सत्य से साक्षात्कार ही युवा मुसलमानों को मुक्त करेगा। तभी पूरी दुनिया को इस्लाम की कष्टप्रद विरासत से मुक्त होने का मार्ग मिलेगा। कृत्रिम और मिथ्याचारी कोशिशें इस्लामी मतवाद के सुगठित तंत्र को हराने में विफल रही हैं। उसका वास्तविक उपाय सच्चाई का सामना करने और कराने में ही है।

संक्षिप्त समाचार

अंडरपास में भरे पानी में डूब गया शख्स, हाथ पर लिखा है

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को आई आंधी के बाद हुई वर्षा के कारण पुलप्रहलादपुर अंडरपास में भरे पानी में डूबने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इसके अलावा जामा मस्जिद इलाके में मकान का छज्जा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य की मौत पेड़ गिरने से हुई थी। इस तरह आंधी-बारिश ने तीन लोगों की जान ली। पुलिस के अनुसार, सोमवार देर रात करीब 10:30 बजे पुलिस को पीसीआर के जरिये पुलप्रहलादपुर अंडरपास में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना मिली थी। अंडरपास में पानी काफी

ज्यादा था, इसलिए गोताखोरों के साथ अन्य बचाव टीम को बुलाया गया। पुलिस व अन्य टीमों ने आधे घंटे की तलाशी के बाद करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद किया। उसे शिनाख्त और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रख दिया गया है। पुलिस का कहना है कि यहां पहले से ही बैरिकेड लगे हुए हैं, ताकि वर्षा का जल भरने पर लोग यहां से न गुजरें। बता दें कि पिछले साल भी इसी जगह वर्षा के पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई थी। जान गंवाने वाले व्यक्ति के दाएं हाथ पर 'किरन आई लव यू' का टैटू बना हुआ है। वहीं, दिल्ली पुलिस टैटू की मदद से ही शख्स के पहचान की कोशिश की जा रही है। उसके शव को एम्स की मॉर्चरी में रखा गया है।

वट सावित्री व्रत एवं सोमवती अमावस्या का पर्व महिलाओं से धूमधाम से मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आज वट सावित्री व्रत एवं सोमवती अमावस्या का पर्व पूरे नोएडा मे बडे धूमधाम से मनाया गया। सुबह से महिलाओं ने वरगद के पेड़ की परिक्रमा किया एवं सभी

महिलाएं बैठ कर कथा भी सुनी।और सभी महिलाएं व्रत भी रखा है । ऐसी मान्यता है कि वट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत ही खास होता है। यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। इस दिन दान पुण्य करने से विशेष फल की प्राप्ति होती हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए बरगद के पेड़ की पूजा करके कथा सुनती या पढ़ती हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से पति की दीर्घायु हो जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार सावित्री ने भी इसी दिन यमराज से अपनी पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए थे। शास्त्रों के अनुसार राजर्षि अश्वपति की एक ही संतान थी। जिसका नाम सावित्री था। सावित्री ने वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान से विवाह करना चाहती थी। जब नारद जी ने सावित्री को बताया कि उनके पति की आयु कम है।तब भी सावित्री अपने निणय से नहीं हटी। वह राज वैभव त्याग कर सत्यवान के साथ उनके परिवार की सेवा करने के लिए वन में रहने लगीं। जिस दिन सत्यवान मरने वाले थे, उस दिन वह लकडि्यां काटने के लिए जंगल चले गए। वहां वह अचानक मूर्छित होकर गिर पड़े। उसी समय यमराज वहां आकर सत्यवान के प्राण ले लिए। 3 दिनों से उपवास में रह रही सावित्री उस बात को जानती थी। इसलिए वह बिना व्याकुल हुए यमराज से सत्यवान के प्राण न लेने की प्रार्थना करने लगीं। सावित्री के ऐसा कहने पर भी यमराज ने सत्यवान के प्राण ले लिए। तब सावित्री यमराज के पीछे-पीछे जानें लगीं। यमराज ने सावित्री को कई बार आने से मना किया, फिर भी सावित्री उनके पीछे बिना डर के चलने लगीं। सावित्री का यह साहस और त्याग देखकर यमराज बहुत प्रसनन हुए। उन्होंने सावित्री से तीन वरदान मांगने को कहा। तब सावित्री ने पहले वरदान के रूप में सत्यवान के दृष्टिहीन माता-पिता की आंखें मांगी। दूसरा वरदान में उन्होंने अपने पति का छीना हुआ राज्य मांगी और तीसरा वरदान में उन्होंने सौ पुत्र मांगें। यह सुनकर यमराज ने तथास्तु कहा। तथास्तु कहने के बाद यमराज समझ गए कि सावित्री के पति का अब ले जाना संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने सावित्री को अखंड सौभाग्य रहने का वरदान दिया और सत्यवान को वहीं छोड़कर अंतर्ध्यान हो गए। तभी से हमारे समाज की महिलाओं ने अपने पति की लम्बी उम्र के लिए यह व्रत रखती है और पूजन करती है।

आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश, चक्रवाती हवा मचाई भीषण तबाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आज शाम आई तेज आंधी तूफान ने भीषण तबाही मचाई है। नोएडा को दिल्ली से जोड़ने वाले डीएनडी पर बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा है, विज्ञापन बोर्ड और तेज हवाओं के चलते दो दर्जन से ज्यादा पेड़ जड़ से उखड़ गए, सड़क डिवाइड करने वाली प्लास्टिक की बैरिकेडिंग तक उड़ गई. नोएडा के सेक्टर 14ए पुलिस कंट्रोल रुम बोर्ड टूट कर नीचे आ गिरा। नोएडा के सेक्टर 18 में आंधी के कारण एक टीन शेड उखड़ कर ई-रिक्शा का गिरा जिससे ई रिक्शा पलट गया और ई रिक्शा वाले को चोट भी आई है । नोएडा के सेक्टर 19 और 27 में पेड़ के नीचे दब कर कारों को बहुत नुकसान हुआ है इधर थाना सेक्टर 63 क्षेत्रान्तर्गत समय करीब 5:00 बजे कुछ

महिलाएं खाली पड़े प्लाट जो प्रस्तावित मंदिर की जगह थी में भजन कीर्तन कर रही थी । अचानक आंधी आने पर प्लॉट की 4 इंची की दीवार गिर गई जिससे महिलाएं व बच्चे घायल हो गए जिनको अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड 2021 के लिए जल, थल एवं वायु क्षेत्र में साहसिक कार्य करने वाले पात्र व्यक्ति कर सकते हैं आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ऋषि कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा कल्याण एवं खेलकूद मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड 2021 के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार जल, थल एवं वायु क्षेत्र में किये गये साहसिक कार्यों के आधार पर पात्र व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के संबंध में गाइडलाइन/दिशा निर्देश एवं ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया युवा कल्याण एवं खेलकूद मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अवार्ड को मुख्यता चार श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें लैंड एडवेंचर, वॉटर एडवेंचर, एयर एडवेंचर तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट लैंड, वाटर एवं एयर एडवेंचर सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि लैंड, वॉटर एवं एयर एडवेंचर क्षेत्र में विगत 3 वर्षों उत्कृष्ट कार्य एवं नेतृत्व क्षमता अनुशासन तथा निरंतर उपलब्धियों की प्राप्ति की गई हो। आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन के उपरांत निर्धारित/संलगन प्रारूप पर प्रस्ताव/आवेदन आगामी 4 जून 2022 तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के कक्ष संख्या 311 विकास भवन गौतम बुद्ध नगर में उपलब्ध कराएं ताकि प्रस्ताव महानिदेशालय को भेजा जा सके।

यूपी व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनीत शारदा और पश्चिमी यूपी के संयोजक विनोद अग्रवाल नोएडा दौरे पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक बिशप को अतीत द्वारा व्यापारियों एवं इंडस्ट्री की एक संयुक्त बैठक बुलायी गई। सभी व्यापारियों ने अपनी अपनी समस्याएं विनीत शारदा के सामने रखी जिसमें जी एस टी विभाग लेबर डिपार्टमेंट एवं बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें साथ ही अथॉरिटी के संबंध में भी सभी ने समस्याओं से अवगत कराया। विनीत शारदा ने सभी की समस्या सुन कहा कि भारतीय जनता पार्टी व्यापारियों एवं इंडस्ट्री की समस्याओं को हल करने के लिए कृत संकल्प है, शीघ्रातिशीघ्र अधिकतर समस्याएं हल हो जाएंगी साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि हर महीने वह व्यापारियों की समस्याओं को लेकर ऑनलाइन मीटिंग भी शुरू करेंगे। आज की बैठक में जिला संयोजक सी पी शर्मा ने नोएडा आने के लिए विनीत शारदा जी का धन्यवाद दिया और व्यापारियों की समस्याओं को सही तरीक़े से पहुँचना का भी संकल्प दिया। बैठक में महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, प्रणय गोयल, प्रवीण मदान, अरुण वालिया, ओ पी शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

कलेक्टर ने संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 30 मई 2022- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती वंदना वैद्य ने त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के मददेनजर मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण अधिनियम 1994 की धारा 3 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि शहडोल जिले के जनपद पंचायत क्षेत्र (ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, सोहागपुर एवं बुढार) में राजनैतिक पार्टियों तथा व्यक्तियों द्वारा जुलूस, जनसंपर्क, आमसभाएं इत्यादि राजनैतिक गतिविधिया तेजी से प्रारंभ कर दी गई है, जिसमें शासकीय परिसम्पत्तियों को नारे, पम्पलेट्स, फ्लैक्स, झण्डे लगाकार विरूपित करने का प्रयास किया जा सकता है। विभिनन व्यक्तियों, राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव प्रसार करने के लिए शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर नारे लिखे जाने की संभावना है, जिससे शासकीय सम्पत्ति का स्वरूप विकृत हो जाता है। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाये जाने की आवश्यकता है, कोई भी जो सम्पत्ति के स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना, सार्वजनिक दृष्टि में आने वाली किसी सम्पत्ति को स्याही, खडिया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित करके उसे विरूपित करेगा वह जुर्माने से जो एक हजार रूपये तक का हो सकेगा दण्डनीय होगा, इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय कोई भी अपराध संज्ञेय होगा। कलेक्टर ने म0प्र0 सम्पत्ति विरूपण निवारण

अधिनियम 1994 की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान यदि विभिनन राजनैतिक दलों अथवा चुनाव लड़ने वाले अभ्यथिर्यों द्वारा किसी शासकीय एवं अशासकीय भवन की दीवालों पर किसी भी प्रकार के नारे लिखकर विकृत किया जाता है, विद्युत एवं टेलीफोन के खम्भों पर झंडियों लगाई जाती है अथवा ऐसे पोस्टर एवं बैनर लगाकर सम्पत्ति को विकृत किया जाता है तो उस स्थिति में ऐसे पोस्टर एवं चैनर हटाने के लिए तथा चुनावी नारे मिटाने के लिये जिले के पंचायत निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक थाने में सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया जाता है, इस दस्ते में संबंधित स्थानीय निकाय एवं लोक निर्माण विभाग के स्थायी गैंग के पर्याप्त संख्या में कर्मचारी पदस्थ रहेंगे। यह लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता टी0आई0, थाना प्रभारी के सीधे देखरेख में कार्य करेगा। इस दस्ते को सहयोग देने के लिये और स्थल पर जाकर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिये सम्बन्धित थाने का एक सहायक उप निरीक्षक पुलिस मुख्यालय पटवारी एवं स्थानीय निकाय का एक कर्मचारी की ड्यूटी लगायी जाती है। इस दस्ते को एक वाहन भी उपलब्ध कराया जाये, जिस पर लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता का बैनर लगा होना चाहिये। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस दस्ते को लोक सम्पत्ति को विरूपण से बचाने के लिये सभी आवश्यक सामग्री जैसे गेरू, चूना, कूची, बास एवं सौदी आदि उपलब्ध कराई जाये। जारी आदेष जारी में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति अभ्यर्थी द्वारा किसी निजी सम्पत्ति को बिना उसके स्वामी की लिखित सहमति के विरूपित किया जाता है तो निजी सम्पत्ति के स्वामी द्वारा सम्बन्धित थाने में सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता निजी सम्पत्ति को विपत होने से बचाने की कार्यवाही करेगा एवं थाना प्रभारी संबंधित प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर विधिवत जांच कर सक्षम न्यायालय में चालान प्रस्तुत करेंगे, थाना प्रभारी लोक सम्पत्ति विरूपण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को एक पेजी में पंजीबद्ध करेंगे तथा शिकायत की जांच कर तथ्य सही पाये जाने पर लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करेंगे।

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई अहिल्याबाई होल्कर की 297वीं जयंती

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर नौ स्थित समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर कार्यालय पर सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष दीपक विग की अध्यक्षता में भारतीय इतिहास के प्रसिद्ध शासक राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 297वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई, सभी

लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की, इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष दीपक विंग ने कहा की अहिल्याबाई होलकर का महिलाओं को शिक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है, अहिल्या राजमाता ने अपने शासक में हमेशा सभी की भलाई के लिए कार्य किया, उन्होंने जून माह में शुरू हो रहे सदस्यता अभियान के लिए भी सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए कहा, व ज्यादा से ज्यादा लोगों को समाजवादी पार्टी में जोड़ने के लिए कहा, वहीं सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर हमेशा से ही अपने साम्राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने की कोशिश करती रही वह खुद सेना में शामिल होकर युद्ध करती थी उन्होंने बहुत धर्मशालाएं बनवाएं सभी धर्मशालाएं उन्होंने मुक्ति प्रस्थान जैसे गुजरात के द्वारका काशी विश्वनाथ बनारस का गंगा घाट उज्जैन नासिक और बैजनाथ के पास बनवाई, मंच का संचालन मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता गौरव कुमार यादव ने किया सभा में उपस्थित महानगर उपाध्यक्ष शकील सैफी व गौरव चाचरा ने भी सभा को संबोधित किया, उपस्थित मुख्य लोगों में दीपक विग, सुनील चौधरी, शकील सैफी, गौरव चाचरा, गौरव कुमार यादव,मुनन आलम, कौशल्या भट्ट, शहजाद, निर अवाना, विपुल जौहरी, रितेश दुग्गल, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 1256 युवक-युवतियों को मिला रोजगार, 207 युवक-युवतियों का अप्रेंटिस के लिए हुआ चयन.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी सुहास एल वाई के नेतृत्व में सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी संग प्रिय आनंद ने जानकारी दी है कि जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विगत दिवस आईआईएमटी इंजीनियरिंग कॉलेज ग्रेटर नोएडा में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया एवं मुख्य अतिथि सांसद डॉ महेश शर्मा के द्वारा रोजगार के लिए चयनित युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र का वितरण कराते हुए मेले का समापन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि रोजगार शासन की प्राथमिकता में है और यह रोजगार मेला रोजगार सर्जन करने के लिए एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि आगे भी माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध करा कर माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा को पूर्ण किया जा सके। उन्होंने उन छात्रों को निराश ना होने की सलाह दी जिनका चयन इस मेले में नहीं हो पाया। उन्हें आगे भी प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में 2475 बेरोजगार युवक-युवतियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें से 1256 युवक-युवतियों को रोजगार के लिए चुना गया एवं अप्रेंटिस के लिए 230 युवक-युवतियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें से 207 युवक-युवतियों का चयन अप्रेंटिस के लिए किया गया। रोजगार मेले को सफल बनाने में सेवायोजन कार्यालय एवं आईआईएमटी इंजीनियरिंग कॉलेज का विशेष सहयोगदान रहा।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत 8 बच्चों को प्रधानमंत्री द्वारा किया गया सम्बोधित.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम एन0आई0सी0 कलैक्ट्रेट सूरजपुर में पी0एम0 केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना के तहत चयनित 08 बच्चों को मा0 प्रधानमंत्री द्वारा सम्बोधित किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अन्त में मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर अनिल कुमार सिंह के द्वारा बच्चों को सन्ह पत्र और प्रधानमंत्री जन अरोग्य योजनान्तर्गत हेल्थकार्ड वितरित किये गये। योजना के तहत बच्चों को ठबचत खाताठ का पासबुक भी दिया गया। उन्होंने बताया कि बच्चों को 18 वर्ष की आयुपूर्ण होने पर इन खातों में रू0 10 लाख की धनराशि प्राप्त होगी एवं बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए बैंक ऋण की व्यवस्था भी इस योजना के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

आम सभा व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बढ़ती महंगाई बेरोजगारी पर सीटू कार्यकर्ताओं ने जताया रोष

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। मेहनतकश लोगों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर सीटू द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत आज गांव बरौला सेक्टर-49 जूनियर हाई स्कूल पार्क में आमसभा व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए दिल्ली जन नाट्य मंच के कलाकारों ने सरकार की मजदूर, गरीब आम जन विरोधी नीतियों एवं सामाजिक कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। आम सभा को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण खाने पीने की चीजें, कपड़ा, निर्माण सामग्री आदि आवश्यक वस्तुओं के दामों में भारी बढ़ोतरी हो रही है इसी तरह घरेलू गैस के दाम बढ़ रहे है, जिसके चलते आम जनता बुरी तरह परेशान है क्योंकि महंगाई के अनुपात में आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। बेरोजगारी व नियमित रोजगार न मिलने से लोगों की

तकलीफ और ज्यादा बढ़ रही है वहीं देश में नफरत की राजनीति को बढ़ावा देकर अल्पसंख्यकों, दलितों पर हमले किए जा रहे हैं, तथा देश की एकता, सद्भाव व भाईचारे को तोड़ा जा रहा है। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि आम जनता व मेहनतकश अपने आर्थिक मुद्दों पर संघर्ष के लिए एकजुट ना हो सके तथा आपस में लड़ते रहें जिससे बड़े कारपोरेट घरानों व बड़े देशी व विदेशी पूंजीपति आम जनता की मूलभूत जरूरतों, खदान, शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली व मकान आदि के जरिए मुनाफा कमाकर मालामाल होते रहें। उन्होंने जाति धर्म के नाम पर बांटने वालों से सजग रहकर महंगाई, बेरोजगारी, सार्वजनिक संस्थान व उद्योग के निजीकरण के खिलाफ व्यापक एकता बनाकर संघर्षों को मजबूत कर देश की एकता, संविधान व लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आने की जरूरत है। आम सभा में सीटू नेता लता सिंह, भरत डेंजर, धर्मपाल चौहान, राजकरण, रवि, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की नेता रेखा चौहान, गुडिया, पिंकी, सुधा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दिल्ली के पंप संचालकों ने तेल कंपनियों से नहीं खरीदा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। क्या देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की किल्लत शुरू हो सकती है? इसकी आशंका इसलिए गहरा गई है क्योंकि दिल्ली के पंप संचालकों ने तेल कंपनियों से पेट्रोल-डीजल नहीं खरीदा है। दरअसल, तेल विपणन कंपनियों से खुद का कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर दिल्ली के सैकड़ों पेट्रोल पंप संचालकों ने मंगलवार को 'खरीद नहीं दिवस' मनाया। इसके तहत दिल्ली के 400 पेट्रोल पंपों में से तकरीबन 80 प्रतिशत ने पेट्रो कंपनियों से पेट्रोल-डीजल की खरीद नहीं की। वैसे, इस कारण दिल्ली में किसी भी पंप से पेट्रोल-डीजल की किल्लत की सूचना नहीं है। बावजूद इसके माना जा रहा है कि इसका आंशिक असर अगले कुछ दिनों में देखने को मिल सकता है, क्योंकि दिल्ली में लाखों की संख्या में पेट्रोल और डीजल से संचालित वाहन हैं।

गरीब परिवार की पहली बार गर्भधारण करने वाली महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना वरदान साबित हुई.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रदेश में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के अंतर्गत किसी भी गरीब, मजदूर परिवार में पहली बार गर्भधारण करने वाली महिलाओं को वित्तीय लाभ प्रदान किया जाता है। आज देश में अधिकांश महिलाओं को अल्पपोषण का सामना करना पड़ता है। अल्प पोषण व रक्त अल्पता अधिकतर महिलाओं में पाया जाता है। अल्पपोषित माता अधिकांशतः कम वजन वाले शिशुओं को ही जन्म देती है। यदि गर्भवती महिला कुपोषित है तो बच्चों का कुपोषण गर्भावस्था से ही शुरू होता है, तो जीवन भर चलता रहता है और ज्यादातर अपरिर्वतनीय होते हैं। अक्सर आर्थिक एवं सामाजिक तंगी के कारण मजदूरी करने वाली कई गरीब महिलायें अपनी गर्भावस्था के आखिरी दिनों तक अपने परिवार के लिए जीविका अर्जित करना जारी रखती है। इसके अलावा वे बच्चे को जन्म देने के बाद, स्वस्थ होने से पहले काम करना शुरू कर देती है, जबकि उनका शरीर इसके लिए तैयार नहीं रहता। इस तरह आर्थिक परेशानी के कारण धात्री महिलायें पूरी तरह स्वस्थ भी नहीं हो पाती और अपने शिशु को स्तनपान कराने में समर्थ भी नहीं हो पाती है। इससे माँ और शिशु दोनों कमजोर रहते है और विभिनन रोग घेरने लगते है मजदूरी करने वाली गरीब परिवारों की महिलाओं की इन्हीं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 01 जनवरी, 2017 से प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना का शुभारम्भ किया है। इस योजना के अंतर्गत जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य संबंधी विशिष्ट शर्तों की पूर्ति पर पर्याप्त पोषण हेतु पहली बार गर्भधारण करने वाली गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के खातों में 6000 रू0 प्रोत्साहन स्वरूप दिया जाता है, जिससे उनके स्वस्थ रहने के आचरण में सुधार हो सके। इस योजना के अंतर्गत 5000 रू0 तीन किश्तों में दिया जाता है तथा पात्र लाभार्थी संस्था में प्रसव के बाद जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत मातृत्व लाभ के संबंध में अनुमोदित मानदंडों के अनुसार 1000 रू0 दिये जाते है। इस तरह प्रत्येक पात्र महिला को 6000 रू0 प्रोत्साहन धनराशि दिया जाता है। जिससे उनका पोषण होता रहे और वे स्वस्थ रहे। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। वर्ष 2021-22 में 6,05,852 प्रथम बार गर्भधारण करने वाली महिलाओं को लाभान्वित किया गया है।

क्या 'सम्राट पृथ्वीराज' के सामने घुटने टेकेगी 'भूल भुलैया 2' दो हफ्तों बाद 150 करोड़ की मंजिल बस इतनी दूर

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर दो हफ्तों का सफर पूरा कर लिया है। इस दौरान फिल्म ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों के खराब प्रदर्शन के सिलसिले को तोड़ा। भूल भुलैया 2 ने हिंदी सिनेमा को बॉक्स ऑफिस पर अपने कलेक्शंस से एक भरोसा दिलाया और अब 150 करोड़ के बेहद करीब पहुंच गयी है। हालांकि, आज से फिल्म के सामने तीन नई फिल्मों की बड़ी चुनौती है। भूल भुलैया 2 ने गुरुवार (2 जून) को 4.21 करोड़ के साथ दो हफ्ते पूरे कर लिये और 141.75 करोड़ का नेट कलेक्शन कर चुकी है। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने शुक्रवार को 6.52 करोड़, शनिवार को 11.35 करोड़, रविवार को 12.77 करोड़, सोमवार को 5.55 करोड़, मंगलवार को

4.85 करोड़ और बुधवार को 4.45 करोड़ बटोरे थे। भूल भुलैया ने दूसरे हफ्ते में 49.70 करोड़ जमा किये हैं, वहीं पहले हफ्ते में फिल्म ने 92.05 करोड़ का कलेक्शन किया था। पहले हफ्ते के मुकाबले दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई में लगभग 40 फीसदी गिरावट आयी। अब 150 करोड़ तक पहुंचने के लिए कार्तिक की फिल्म को 8.25 करोड़ की जरूरत है, जो इस वीकेंड में मिलने की पूरी सम्भावना है। भूल भुलैया 2 कार्तिक के करियर की सबसे कामयाब फिल्म बन चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर उनके भरोसमेंद स्टेट को मजबूत किया है। भूल भुलैया 2 का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है। फिल्म में कार्तिक और कियारा आडवाणी की जोड़ी है। तब्बू और राजपास यादव ने अहम किरदार निभाये हैं। तीसरे हफ्ते में सम्राट पृथ्वीराज, विक्रम हिट लिस्ट और मेजर की रिलीज के कारण भूल भुलैया 2 की स्क्रीन्स की संख्या कम हो जाएगी, जिसका असर इसके कलेक्शंस पर पड़ेगा, मगर फिल्म इससे पहले ही अपना काम कर चुकी है। नई रिलीज हुई फिल्में अगर हिंदी दर्शकों को आकर्षित करने में विफल रहती हैं तो इसका फायदा भूल भुलैया 2 को मिल सकता है।

'केजीएफ 2' और 'आश्रम 3' के साथ इस शुक्रवार ओटीटी पर एक्शन और हॉटनेस का जलवा

नई दिल्ली। इस शुक्रवार (3 जून) ओटीटी पर कंटेंट की झमाझम बारिश होने जा रही है। एक्शन

और रोमांस का जबरदस्त तड़का लगने वाला और ऐसी सीरीज आ रही हैं, जिनका आप बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। चलिए, आपको बताते हैं शुक्रवार को कहां क्या रिलीज होने वाला है ताकि आप अपना वीकेंड प्रोग्राम बना सकें। वैसे, सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज आ रही है। अमेजन प्राइम वीडियो के ग्राहकों के लिए खुशखबरी है कि केजीएफ 2 अब रेंटल प्लान से निकालकर सभी सब्सक्राइबर्स के लिए उपलब्ध करवायी जा रही है। इस शुक्रवार फिल्म प्लेटफॉर्म पर आ जाएगी, जिसे आप हिंदी में भी देख सकते हैं। आश्रम वेब सीरीज का तीसरा सीजन शुक्रवार को स्ट्रीम कर दिया जाएगा। बाबा निराला के नये कारनामे, बबीता का बदला और सोनिया (ईशा गुप्ता) की हॉटनेस ने सीरीज का इंतजार बढ़ा दिया है। बॉबी देओल इस सीरीज में बाबा निराला के रोल में नजर आते हैं। ईशा तीसरे सीजन में एंट्री कर रही हैं और बॉबी देओल के साथ उनके कई सींस में बोल्डनेस का तड़का लगाया गया है। अमेजन प्राइम वीडियो पर साइ-फाइ फैंटेसी सीरीज द बॉयज का तीसरा सीजन (ऊप ँदबे ऐंदह 3) आ रहा है। यह सुपरहीरो सीरीज है। इसका पहला सीजन 2019 मे आया था। लायंगेट प्ले पर शुक्रवार को कई फिल्में आ रही हैं। इनमें अभय देओल और एमिली शाह का जंगल क्राय भी शामिल है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के रग्बी कोच रूद्राक्ष जेना पर आधारित है, जिन्होंने ओडिसा के 12 लड़कों को जूनियर रग्बी वर्ल्ड कप इंग्लैंड में जीत दिलवायी थी। फिल्म का निर्देशन सागर बेलारी ने किया है। इसके अलावा जॉन क्यूजैक और गोंग ली स्टारर शंघाई, ब्रेडली कूपर और जेनिफर लॉरेंस स्टरर सिल्वर लाइनिंग्स, टॉमस जेन और मशिन्या गे स्टारर हॉरर साइंस फिक्शन फिल्म द मिस्, स्टीव और कीरा नाइटली स्टारर सीकिंग अ फ्रेंड फॉर द एंड ऑफ द वर्ल्ड आ रही हैं। यह एपोकेलिप्टिक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है।

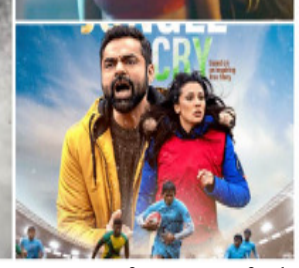

लोगों को इस बार भी पसंद आए 'बाबा निराला', सुर्खियों में है ईशा गुप्ता के बोल्ड सीन

नई दिल्ली। इस साल की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज आश्रम अपने

तीसरे सीजन के साथ एमएक्स प्लेयर पर दस्तक दे चुकी है। साल 2020 में इसके दोनों सीजन देखने के बाद दर्शकों को इंतजार था कि बाबा निराला इस बार कैसे अपनी जादू चलाएंगे। बॉबी देओल बाबा निराला के कैरेक्टर में लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहे थे। लोग ये भी जानना चाहते हैं कि पिछले सीजन में बोल्डनेस का तड़का लगाने वाली त्रिधा चौधरी इस बार क्या कमाल दिखाती है। इस सीजन का सरप्राइज़ एलिमेंट हैं ईशा गुप्ता, जो कि ट्रेलर में बाबा संग काफी इंटीमेट सीन देती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वेब सीरीज को लेकर लोगों के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। आश्रम 3 का धमाकेदार ट्रेलर जबसे रिलीज हुआ लोगों की धड़कनें बढ़ गईं। ईशा गुप्ता ने इस सीजन में जमकर बोल्ड सीन दिए जिसका नतीजा ये हुआ कि सीरीज को लेकर काफी पहले से सोशल मीडिया पर बज क्रिएट हो गया। बता दें कि 2 जून की रात को ही एमएक्स प्लेयर पर आश्रम 3 के सभी एपिसोड को अपलोड कर दिया गया। इस सीरीज को देखने वाले मिक्स रिएक्शन दे रहे हैं। कोई तो तारीफ करते नहीं थक रहा तो वहीं किसी को ये सीरीज कुछ खास पसंद नहीं आई। बता दें कि इस वेब सीरीज की कहानी काशीपुर वाले बाबा के इर्द गिर्द घूम रही है। बाबा का दुनिया की नजर में तो लोगों का भला करते हैं पर सच्चाई कुछ और ही है। इस वेब सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। बता दें कि आश्रम 3 में बॉबी देओल के अलावा ईशा गुप्ता, चंदन रॉय सान्याल, अदिति पोहनकर और अनुप्रिया गोयनका ने अहम रोल अदा किया है।

ओटीटी पर इस तारीख को आ रही है 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस

नई दिल्ली। मारवल के फैंस के लिए खुशखबरी है। हॉलीवुड फिल्म डॉक्टर स्ट्रेंज इन मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 6 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जो फैंस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख सके, उन्हें ओटीटी पर आने का इंतजार था, जो अब खत्म होने जा रहा है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ अब रिलीज डेट भी सामने आ गयी है। डॉक्टर स्ट्रेंज इन मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस डिजनी प्लस हॉटस्टार पर 22 जून से स्ट्रीम की जा रही है। फिल्म हिंदी के साथ अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ में भी रिलीज की जाएगी, यानी दर्शक फिल्म का लुत्फ सभी भाषाओं में उठा सकते हैं। डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस 2016 में आयी फिल्म डॉक्टर स्ट्रेंज का सीक्वल है। इसका निर्देशन सैम राइमी ने किया है। फिल्म में सुपर हीरो डॉक्टर स्ट्रेंज की उनकी डार्क साइड से कशमकश दिखायी गयी है। वांडा परिवार की मौजूदगी भी पहली बार दिखायी गयी है। बेनेडिक्ट कम्बरबैच ने डॉक्टर स्ट्रेंज का किरदार निभाया है। वांडा के रोल में एलिजाबेथ ओलसेन हैं। ये दोनों किरदार मारवल की इनफिनिटी सीरीज में भी नजर आ चुके हैं। फिल्म ने भारत में सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया था। फिल्म को सभी भाषाओं में 27.50 करोड़ की शानदार ओपनिंग मिली थी। ओपनिंग वीकेंड में 79.50 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि लाइफ टाइम कलेक्शन 126.90 करोड़ रहा था। साल 2022 में अभी तक रिलीज हुई सबसे कामयाब हॉलीवुड फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर आप नीचे देख सकते हैं।

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने पूरा किया 49 सालों का साथ, एनिवर्सरी पर बिग बी ने शेयर की गुड्डी संग मंडप की तस्वीर............

नई दिल्ली। 1973 में शादी के बंधन में बंधे मेगा स्टार अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने शुक्रवार को 49 सालों का साथ पूरा कर

लिया है। ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न से भरी दोनों की लव स्टोरी काफी फिल्मी हैं। अमिताभ और जया ने अपनी शादी में कई उतार-चढ़ाव देखें, लेकिन अपने रिश्ते को उन्होंने हर हाल में बचाया। कपल गोल देते बिग बी और गुड्डी आज अपनी 49वीं वेडिंग एनिवर्सी मना रहे हैं। इस मौके पर अमिताभ ने फैंस के साथ अपनी शादी की यादें साझा की हैं और सभी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद कहा है अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर 1973 की है जब दोनों शादी के बंधन में बंधे थें। इस तस्वीर में अमिताभ और जया मंडप के नीचे शादी की रस्में पूरी करते हुए दिख रहे हैं। वहीं दूसरी फोटो में बिग बी सभी को धन्यवाद कहते हुए हाथ जोड़े हुए दिख रहे हैं। पोस्ट को शेयर करते हुए बिग बी ने लिखा, ठजया और मेरी, विवाह जयंती पे जो सन्हे और आदर प्रदान किया गया है उसके लिए हाथ जोड़ कर प्रणाम करता हूँ । धनयवाद सब को उत्तर न दे पाएँगे, इस लिए यहाँ प्रतिक्रिया, प्रतिवचन , स्वीकार करें। इसके साथ ही उन्होंने कई सारी हार्ट इमोजी भी बनाई। उम्र के इस पड़ाव में अमिताभ बच्चन जहां अभी भी फिल्मों में काम कर रहे हैं और काफी एक्टिव रहते हैं तो वहीं, जया अपनी फैमिली लाइफ और राजनीति में व्यस्त रहती हैं। आपको बता दें कि अमिताभ बच्चन और जया साथ में पहली बार 1970 में आई फिल्म बंशी और बिरजू में नजर आए थे। इसके अलावा दोनों साथ में जंजीर, अभिमान, मिली, चुपके चुपके, शोले, सिलसिला, कभी खुशी कभी गम जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम काम कर चुके हैं और बार इनकी जोड़ी को दर्शकों से खूब प्यार मिलता है।

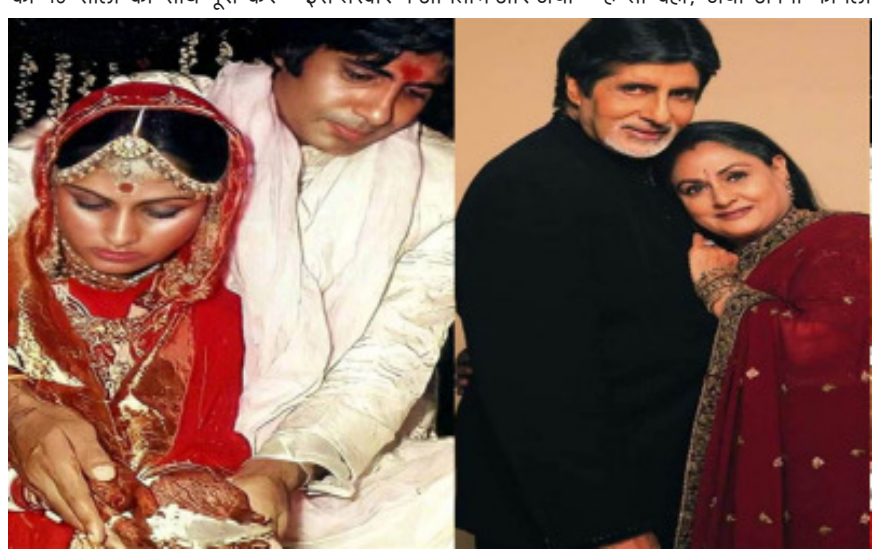

ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना के आगे पानी कम हैं सारा और जाह्नवी

नई दिल्ली। बॉलीवुड की सबसे फेमस फैमिली में से एक रोशन परिवार का एक और सदस्य फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहा है। ग्रीक गॉड के नाम से पॉपुलर एक्टर ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन को आप बहुत जल्द बड़ी स्क्रीन पर देखने वाले हैं। खबर है कि जाने-माने बॉलीवुड म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन अब अपने बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी में जुटी हैं। पश्मीना, शाहिद कपूर की 2003 में आई फिल्म इश्क विश्क के सीक्वल से अपना बॉलीवुड करियर शुरू करेंगी। पश्मीना के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है ऐसे में हम आपको दिखाते हैं उनकी कुछ बेहद ही बोल्ड तस्वीरें जिन्हें देख आप सारा अली खान और जाह्नवी कपूर को भी भूल जाएंगे। पश्मीना रोशन के बारे में खबर है कि इन्होंने एक्टिंग सीखी हुई है, इसकी स्पेशल ट्रेनिंग भी ली है। भाई ऋतिक रोशन से पश्मीना एक्टिंग के मामले में टिप्स

भी लेती हैं। बता दें कि इसके अलावा पश्मीना रोशन थिएटर में भी एक्टिव रहती हैं। इस सबसे अलग जो सबसे खास बात है वो ये कि पश्मीना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपनी बेहद बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनकी इन्हीं फोटोज से इंटरनेट का पारा बढ़ जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजेश रोशन ने बताया कि एक बार उनकी बेटी किसी पार्टी में जा रही थी जब उन्होंने पश्मीना से यह पूछा था कि वह एक्टिंग को अपना करियर बनाना चाहती है या नहीं। जिसके बाद पशमीना सोच में पड़ गई थीं लेकिन वह धीरे-धीरे एक्टिंग की ओर आने लगी थीं। उन्होंने नादिरा बब्बर की एक्टिंग क्लासेस लीं और बैरी जॉन इंस्टीट्यूट में ट्रेनिंग भी की। इसके साथ ही 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' हिट साबित हुई थी, तो उम्मीद की जा रही है कि इस बार भी ये फिल्म हिट ही रहेगी। जहां तक बात है ऋतिक रोशन जल्द ही अपनी फिल्म फाइटर के साथ सिनेमाघरों को हिट करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी।

दूल्हे के सामने प्रेमी ने स्टेज पर जबरदस्ती भरी दुल्हन की मांग, फिर घरवालों ने किया लड़के को वो हाल कि सात जन्म तक रखेगा याद

नई दिल्ली। शादी सात जन्मों का बंधन हैं, इसलिए हजारों लोगों की मौजूदगी में वर-वधू एक दूसरे को अपना बनाते हैं। पर कभी-कभी लोगों का होना ही परेशानी का सबब बन जाता है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसे देखने वालों के पैरों के नीचे से जमीन खीसक गई। लोग यकीन नहीं कर पा रहे कि किसी के साथ ऐसा भी हो सकता है। इंटरनेट पर लेकर कर काफी हलचल है, लोग इसपर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। 1 मिनट 18 सेकेंड के इस वीडियो में पहले तो आपको सब कुछ सामान्य लगेगा। जयमाला की स्टेज है आसपास लोग जमा हैं। शादी के लिए सब काफी खुश नजर आ रहे हैं। दूल्हा बेसब्री से अपनी दुल्हन का इंतजार कर रहा है। लाल जोड़े में सजी, सजी दुल्हन अपनी सहेलियों के साथ आती है। पहले दूल्हे की आरती उतारती है, दोनों एक दूसरे को देखकर मंद मुस्कुराते हैं और तभी एंट्री होती है एक विलेन की। होता क्या है कि

जयमाला से पहले ही दुल्हन का पहला बॉयफ्रेंड स्टेज पर आ जाता है। सब तरफ अफरा तफरी मच जाती है। दुल्हन या कोई कुछ समझ पाता इससे पहले ही वो अपनी जेब से सिंदूर निकालकर उनकी मांग भर देता है। बॉयफ्रेंड जब दुल्हन की मांग भर रहा था तभी सबने उसे रोकने की पूरी कोशिश की। हर तरफ से जोर लगाया गया कि किसी तरह से लड़का दुल्हन को छोड़ दे। पर ऐसा हुआ नहीं, बॉयफ्रेंड ने आव देखा न ताव पहले जाकर एक पैकेट सिंदूर दुल्हन की मांग में भर दी। बेचारा दूल्हा वहां खड़ा ये नजारा देखता रह गया। इस वीडियो पर लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। कोई कह रहा है कि लड़की की जिंदगी बर्बाद कर दी, ये कैसा प्यार है। तो किसी का कहना है कि गर्लफ्रेंड का घर बसने देना चाहिए था।

दुनियाभर में 5 हजार स्क्रींस पर रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित और करियर की सबसे अहम फिल्म सम्राट पृथ्वीराज सिनेमाघरों में 3 जून को रिलीज हो गयी है। अक्षय के करियर की यह पहली फिल्म है, जिसमें उन्होंने मध्य इतिहास से जुड़ा किरदार निभाया हो। अक्षय ने इससे पहले ऐतिहासिक घटनाओं पर फिल्में तो

की हैं, मगर इतना पीछे पहली बार गये हैं। सम्राट पृथ्वीराज चौहान का भारतीय इतिहास और समाज में बेहद खास स्थान है। शौर्य और पराक्रम की ऐसी तस्वीर इतिहास में कम ही मिलती है। चाणक्य जैसा कालजयी धारावाहिक और पिंजर जैसी चर्चित फिल्म बनाने वाले डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने पृथ्वीराज का निर्देशन किया है। इसलिए फिल्म से इतिहास संबंधी तथ्यों को लेकर काफी उम्मीदें हैं। फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स ने किया है। बैनर की भी यह पहली हिस्ट्री आधारित फिल्म है। फिल्म की बाकी स्टार कास्ट की बात करें तो पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर बतौर एक्ट्रेस सिनेमा में पारी शुरू कर रही हैं। वो राजकुमारी संयोगिता के किरदार में हैं। संजय दत्त काका कान्हा और सोनू सूद चंदवरदाई के रोल में हैं, जिन्होंने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की वीरगाथा पृथ्वीराज रासो लिखी थी। मोहम्मद गोरी के किरदार में मानव विज हैं। भारत में सम्राट पृथ्वीराज 3750 स्क्रींस पर रिलीज की गयी है, जिसमें से 200 स्क्रींस तेलुगु और तमिल वर्जंस के लिए हैं, बाकी स्क्रींस हिंदी भाषा के लिए हैं। ओवरसीज में फिल्म 1200 स्क्रींस पर उतारी जा रही है। फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग 29 मई को शुरू कर दी गयी थी। रिलीज से पहले फिल्म तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित कर दी गयी है। इन राज्यों में फिल्म के टैक्स फ्री होने के कारण टिकटों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, इससे शुरुआती कलेक्शन कम रह सकते हैं, मगर फिल्म अधिक दर्शकों तक पहुंच सकेगी। अक्षय ने सम्राट पृथ्वीराज का जमकर प्रमोशन किया है। अक्षय ने गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए स्क्रीनिंग भी रखी थी।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का नया गाना 'दिल दीवाना' रिलीज, गाने की मस्ती से दर्शकों पर छाई दीवानगी

नई दिल्ली। भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपर स्टार खेसारी लाल यादव का नया गाना 'दिल दीवाना' हो चुका है। इस नए गाने को दर्शकों के बीच खूब पसंद आ रहा है। इस गाने में खेसारी लाल अभिनेत्री रक्षा गुप्ता संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री रक्षा सलवार सूट में बिहारी अंदाज में ठुमके लगा रही है। दोनों अपने इस गाने में जोरदार ठुमके लगा रहे हैं। वहीं, भोजपुरी गायिका प्रियंका सिंह ने गाने को टी सीरीज भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया

रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री शानदार लग रही है। इस गाने को खेसारी लाल और प्रियंका सिंह ने गाया है। इस गाने के लिरिक्स पवन पांडेय ने लिखे हैं। मालूम हो कि गाने में दोनों की केमेस्ट्री देखते हीं बनती है। एक तरफ अभिनेता खेसारी लाल यादव हैंडसम लुक में नजर हैं। गाने के डायरेक्टर आशीष सत्यार्थी हैं। म्यूजिक आर्य शर्मा ने दिया है। गाने को फिलहाल यूट्यूब पर रिलीज किया गया है। जल्दी ही गाना, जियो सावन, एमोजों म्यूजिक जैसे अन्य ध्ऊऊ प्लेटफार्म पर रिलीज किया जाएगा। जानकारी हो कि हाल ही में खेसारी लाल ने अपने सोशल मीडिया पर इसे शेयर किया था। इस गाने पर फैंस डायरेक्टर आशीष पर भी जमकर अपना प्यार बरसा रहे हैं। इस गाने का टीजर एक दिन पहले ही रिलीज किया जा चुका था। दर्शकों ने इस गाने के टीजर को भी खूब पसंद किया था। इसके बाद गाने के रिलीज होने का इंतजार था। अब दर्शकों के इंतजार के बीच गुरुवार को ये गाना रिलीज कर दिया गया।गाने में खेसारी लाल यादव ने खुद अपनी आवाज दी जिसे सुन दर्शक झूम उठे हैं।

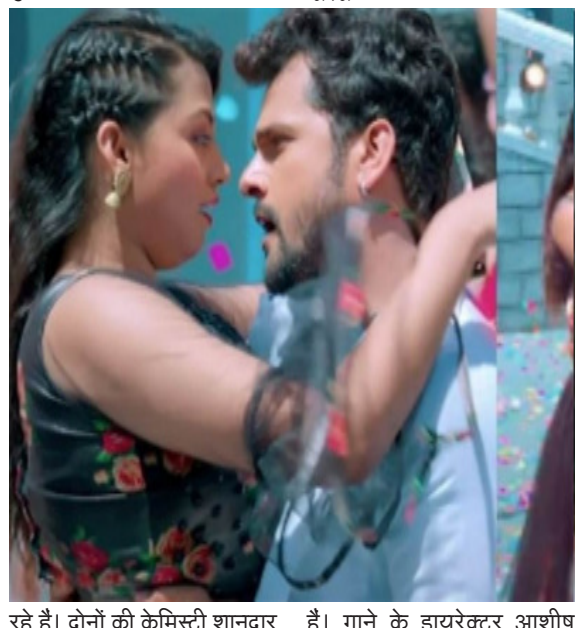

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।